Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 153
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,02 जनवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

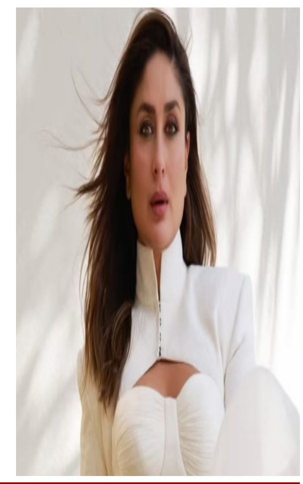

3 घर के नक्शे के लिए नहीं काटने होंगे दफ्तर के
4 मेरी स्विनी जन्मदिन विशेष- अतियथार्थवादी दुनिया
5 करीना कपूर ने नई पॉजिटिविटी के साथ 2026 में रखा कदम, 2025 को

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिवर्तन लाने का शक्तिशाली अवसर' :राष्ट्रपति

एआई चैलेंज का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को #SkillTheNation एआई चैलेंज का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा के रायरांगपुर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है, जिससे लोगों के सीखने, काम करने और आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने के तरीके प्रभावित हो रहे हैं। परिवर्तन लाने का शक्तिशाली अवसर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता :राष्ट्रपति मुर्मू उन्होंने कहा कि भारत जैसे युवा देश के लिए, एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक और समावेशी परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली अवसर है। उभरती प्रौद्योगिकियों की ओर से आकार दिए जा रहे भविष्य के लिए छात्रों को तैयार देखकर खुशी जताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उनसे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा करने, चुनौतियों का समाधान करने और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई लर्निंग मॉड्यूल पूरा करने वाले सांसदों की भी सराहना की और कहा कि उनके प्रयास निरंतर सीखने के माध्यम से नेतृत्व को दशार्ते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एआई को एक प्रमुख विकास चालक बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह आने वाले दशक में जीडीपी, रोजगार और उत्पादकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत करे समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण :राष्ट्रपति मुर्मू उन्होंने मजबूत राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा के निर्माण में डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे कौशलों के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार संस्थानों, उद्योग भागीदारों और शिक्षाविदों के सहयोग से यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि भारत न केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाए बल्कि एक जिम्मेदार और समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण भी करे। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप देश को ज्ञान महाशक्ति बनाने के लक्ष्य में योगदान देते हुए एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया। यह कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की ओर से आयोजित किया गया था।

देवभूमि में नए साल पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

सीएम धामी ने दी बधाई

उत्तराखंड (एजेंसी)। देवभूमि में नए साल पर पहाड़ से मैदान तक मंदिरों में भीड़ उमड़ पड़ी। देहरादून, हरिद्वार समेत सभी जगहों पर मंदिरों में भक्तों का तांता लगा है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समस्त प्रदेशवासियों को नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं दी हैं। नववर्ष की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रदेशवासियों को नव वर्ष 2026 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने नववर्ष के अवसर पर प्रदेश के विकास के साथ-साथ सभी नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। राजधानी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए मंदिर में तड़के से श्रद्धालु उमड़े हैं। चमोली में नए साल पर लोगों ने गोपीनाथ मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की। भगवान गोपीनाथ का जलाभिषेक कर अपने परिवार की कुशलता की कामना की। श्रीनगर के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नए साल की शुरूआत भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ की। कमलेश्वर महादेव मंदिर में तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी है। हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी पहुंचकर गंगा स्नान किया।

इंदौर में दूषित पेयजल से 13 लोगों के दम तोड़ने का दावा, प्रशासन ने की चार मौतों की पुष्टि

इंदौर (एजेंसी)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त के प्रकोप से जान गंवाने वाले लोगों की तादाद को लेकर जारी विरोधाभास बृहस्पतिवार को भी कायम रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप के दौरान पिछले आठ दिन में छह माह के बच्चे समेत 13 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है, जबकि प्रशासन ने डायरिया से केवल चार लोगों की मौत की पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक पहली नजर में लीकेज के कारण पेयजल की पाइपलाइन में ड्रेनेज का गंदा पानी मिलने के कारण भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त का प्रकोप फैला। भागीरथपुरा, राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र श्इंदौर-1श में आता है। विजयवर्गीय ने संवाददाताओं को बताया कि उल्टी-दस्त के प्रकोप से भागीरथपुरा में 1,400 से 1,500 लोग प्रभावित हुए जिनमें से लगभग 200 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि इन मरीजों की हालत खतरे से बाहर है और स्वस्थ होने पर लोगों को अस्पताल से लगातार छुट्टी दी जा रही है। विजयवर्गीय ने उल्टी-दस्त के प्रकोप से मरे लोगों के आंकड़े को लेकर जारी विरोधाभास पर कहा,मुझे प्रशासन के अधिकारियों ने इस प्रकोप से चार लोगों की मौत की जानकारी दी है।

बिहार: बेगूसराय में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

पटना (एजेंसी)। बिहार के बेगूसराय जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी नक्सली मारा गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की उत्तर बिहार केंद्रीय जोनल कमेटी के सचिव दयानंद मलाकार के रूप में हुई है। उसने बताया कि नक्सली के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की ओर से जारी बयान में कहा गया, 14 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित मलाकार उर्फ छोटू बुधवार शाम बेगूसराय के तेघड़ा इलाके में एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया।बयान के मुताबिक, सूचना के आधार पर सुरक्षाकर्मी उस स्थान पर पहुंचे, जहां मलाकार अपने सहयोगियों के साथ छिपा हुआ था और पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

नए साल में श्रद्धालुओं से गुलजार हुआ माघ मेला क्षेत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में नए साल 2026 के पहले दिन माघ मेला क्षेत्र में स्नान, दर्शन और भ्रमण के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी है।इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से यातायात और पार्किंग का विशेष प्लान लागू कर दिया गया है। साल के पहले दिन यानी बृहस्पतिवार को माघ मेला क्षेत्र में ऑटो, ई-रिक्शा और टैंपो के प्रवेश पर पूर्ण रूप से रोक लगा दिया गया है। कार और बाइक के लिए पार्किंग व्यवस्था संगम क्षेत्र में सुचारु आवागमन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों की आवाजाही, पार्किंग और पैदल मार्गों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। माघ मेला में आने वाले कार और मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालु अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े कर सकेंगे।

'विकसित भारत' के लिए सीएम का 'यूपी मॉडल'

सीएम- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बदल देंगे तस्वीर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में लागू विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों, जिनमें गरीब, किसान, युवा और महिलाएं शामिल हैं, तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है। योगी आदित्यनाथ ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में 'नया उत्तर प्रदेश' 'विकसित भारत' के विकास पथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य में लागू विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से उत्तर प्रदेश के लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य की विकास यात्रा पर भरोसा जताते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2026 तक, दोहरे इंजन वाली सरकार की विकासोन्मुखी नीतियां उत्तर प्रदेश को समृद्धि, सुशासन और प्रगति के नए मानक स्थापित करने में सक्षम बनाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि 2026 तक, दोहरे इंजन वाली सरकार की विकासोन्मुखी नीतियां उत्तर प्रदेश को समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए मानक स्थापित करने में सक्षम बनाएंगी। मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने राज्य में निवेश और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि 2025 को प्रौद्योगिकी और डेटा में नवाचार के लिए याद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को लिखे एक खुले पत्र में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ और नोएडा में 'एआई सिटी' स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 'एआई प्रज्ञा' पहल के तहत 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नए साल 2026 का स्वागत: पीएम मोदी समेत नेताओं ने दी शुभकामनाएं

शांति-खुशहाली की कामना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति और खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, सभी को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं! यह वर्ष आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए। आपके प्रयासों में सफलता मिले और आपके सभी कार्यों में पूर्णता लेकर आए। उन्होंने कहा, समाज में शांति एवं खुशहाली की कामना करता हूं। आशा है 2026 भारत को और मजबूत, विकसित बनाने के संकल्प को सुदृढ़ करेगा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 भारत को और मजबूत राष्ट्र बनाने के संकल्प को मजबूती देगा। सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में उन्होंने कामना की कि आने वाला वर्ष सभी के लिए शांति, उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने कामना की कि यह वर्ष एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण के लोगों के सामूहिक संकल्प को सशक्त करे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को प्रदेश एवं देशवासियों को नये वर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने आशा व्यक्त की है कि वर्ष 2026 समस्त बिहारवासियों एवं देशवासियों के लिए सुख, शान्ति, सद्भाव, समृद्धि एवं अनंत सफलताओं का वर्ष होगा। मुख्यमंत्री कुमार ने विश्वास व्यक्त किया है कि आनेवाले वर्ष में बिहार देश ही नहीं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकेगा। उन्होंने कहा है कि नववर्ष में सबके सम्मिलित प्रयास से सुखी, समृद्ध एवं गौरवशाली बिहार के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने बुधवार को नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बागडे ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि नव वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाये। उन्होंने नये साल में हर पल, हर दिन कुछ नया करते हुए राष्ट्र और समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने का आह्वान किया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

तारिक अनवर ने नाना पटोले के राहुल की तुलना भगवान राम वाले बयान का किया समर्थन

बोले-कुछ भी अपमानजनक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता नाना पटोले के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करने पर राजनीति तेज हो गई है। इस टिप्पणी पर नाना पटोले का बचाव करते हुए तारिक अनवर ने कहा कि बयान में कुछ भी अपमानजनक नहीं है। कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, राम ने रावण की लंका को तहस-नहस किया था। उसी तरह राहुल गांधी भी अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसलिए मेरी राय में नाना पटोले के बयान में कुछ भी

अपमानजनक नहीं है।दिल्ली कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भी नाना पटोले के बयान राहुल गांधी भगवान श्री राम की तरह काम कर रहे हैंश पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी देश की एकता और अखंडता के लिए इस संविधान को मजबूत करने के लिए बहुत बेहतर काम कर रहे हैं और हम उनके दिखाए हुए रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।इससे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने अपने बयान में कहा, भगवान राम हर किसी के दिल और विचारों में होते हैं। शोषित और पीड़ित लोगों की सेवा करना व उन्हें न्याय दिलाना भगवान श्रीराम का काम था। आज वही काम राहुल गांधी कर रहे हैं।कांग्रेस नेता ने आगे कहा, राहुल गांधी जब चाहेंगे, अयोध्या जाएंगे और राम लला का दर्शन करेंगे, क्योंकि रामलला के मंदिर का ताला राजीव गांधी ने खुलवाया था। भगवान श्रीराम का काम आज राहुल गांधी कर रहे हैं। मंदिर जाने वाले नेता दिखावा करते हैं। राहुल गांधी उनकी तरह नहीं हैं। नाना पटोले ने यह भी बयान दिया कि देश असुरक्षित है।

इन पांच बातों पर फोकस करें लोग तो बदल जायेगी जिंदगी; सुनाई खरगोश की कहानी :मोहन भागवत

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के अभनपुर के सोनपैरी में असंग देव कबीर आश्रम में बुधवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के अभनपुर के सोनपैरी में असंग देव कबीर आश्रम में बुधवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया।इसमें सर संघचालक डॉ. मोहन

भागवत ने कहा कि संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हिन्दू सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। मंडल स्तर पर यह आयोजन हो रहे हैं। संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष उत्सव नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज कार्य को और गति देने का अवसर है। इस अवसर पर स्वयंसेवक पंच परिवर्तन का विषय लेकर समाज में जा रहे हैं। हम केवल संकट पर ही चर्चा नहीं करते हैं बल्कि समाधान पर भी अपनी बात रखते हैं क्योंकि यदि हम ठीक रहेंगे तो किसी संकट का असर नहीं होगा। आज बांग्लादेश समेत विश्व में जिस प्रकार चुनौती हैं। ऐसे में बंटने नहीं संगठित होने का समय है।

देश में कुछ लोग हिटलर की विचारधारा का कर रहे पालन लेकिन भारत में समाप्त होगा चरमपंथ: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरूवार को कहा कि देश में कुछ लोग हिटलर की विचारधारा का पालन कर रहे हैं लेकिन एक समय आयेगा जब भारत में चरमपंथ समाप्त हो जायेगा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नये साल के अवसर पर देश में अमन-चौन और खुशहाली की भी प्रार्थना की। अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी उस मामले में की जब देश के अलग-अलग हिस्सों में कश्मीरी शॉल बेचने वालों पर हुए हमलों के बारे में उनसे सवाल पूछे गये थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हिटलर के रास्ते पर चल रहे हैं और और वे चाहते

हैं कि यहां हिटलर का निजाम स्थापित हो।जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नाजीवाद के पतन का वर्णन करते हुए कहा, ष्हिटलर ने खुद को गोली मार ली और वह खत्म हो गया। जैसे नाजीवाद खत्म हुआ, वैसे ही एक समय आएगा जब हमारे देश में भी चरमपंथ समाप्त हो जायेगा।ष अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बंगलादेश दौरे का स्वागत किया, जहां उन्होंने खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और पड़ोसी देश को भारत का पुराना और भरोसेमंद दोस्त बताया।अब्दुल्ला ने कहा, ष्मुझे खुशी है कि हमारे विदेश मंत्री वहां गए और बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

असम में घटा अपराध, अवैध अप्रवासियों पर सख्त कार्रवाई... सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गिनाए सरकार के काम

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की सरकार की ओर से अतिक्रमण की गई जमीनों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है।इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई है। वहीं, अवैध अप्रवासियों पर भी सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में सख्त कार्रवाई की जा रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि तीन आपराधिक कानूनों को लागू करने में असम देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि 2021 में 1.33 लाख मामले दर्ज किए गए थे, जो अब 2025 में घटकर 43748 रह गए हैं। उन्होंने

कहा कि अदालतों में आरोपपत्र दाखिल करने में 81 फीसदी की वृद्धि हुई है। सीएम सरमा ने कहा, '2021 में दोषसिद्धि दर छह फीसदी थी, जो अब बढ़कर 26.38 प्रतिशत हो गई है। 2025 में 2919 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई।' उन्होंने अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने 2000 अवैध विदेशियों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया है। 'अवैध विदेशियों के लिए मिसाल बनेंगे अगले पांच साल', बोले सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमने फैसला किया है कि एक सप्ताह के भीतर हम उन लोगों को वापस भेज देंगे जिन्हें विदेशी न्यायाधिकरण की ओर से विदेशी के रूप में पहचाना गया है। उन्होंने आगे कहा, 'अगले पांच साल अवैध विदेशियों को निष्कासित करने के लिए एक मिसाल बनेंगे।' उन्होंने कहा कि कल हमने 18 और बांग्लादेशियों को भी वापस भेज दिया। असम में 1.45 लाख बीघा जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई है।' सीएम ने बताया- पीएम मोदी देंगे 6957 करोड़ रुपये की सौगात सीएम सरमा ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में काफी काम हुआ है।'

कश्मीर वंदे भारत एक्सप्रेस: पटरियों पर दौड़ता 'सांस्कृतिक और जायके' का संगम

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे न केवल दूरियों को कम कर रहा है, बल्कि स्वाद के जरिए हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी जोड़ रहा है। कश्मीर वंदे भारत एक्सप्रेस वास्तव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का जीता-जागता उदाहरण है।

कश्मीर की वादियों में दौड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ अपनी रफ्तार के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी मेहमाननवाजी के लिए भी चर्चा का विषय बनी हुई है। श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच चलने वाली यह ट्रेन यात्रियों को एक ऐसा अनूठा अनुभव प्रदान कर रही है, जहाँ स्वाद की खुशबू से राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होती है।

वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसा जा रहा है डोगरा और कश्मीरी संस्कृति का मेल:

इस सफर की सबसे खास बात इसकी 'क्यूरेटेड थाली' है। यात्रियों को मिलने वाला भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि उस क्षेत्र की मिट्टी की पहचान है।

कटरा से श्रीनगर (डोगरी संस्कृति का स्वाद): जब ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर की ओर प्रस्थान करती है, तो यात्रियों को पारंपरिक डोगरी व्यंजन जैसे राजमा, हॉक साग, कश्मीरी कदम, हॉक पनीर आदि परोसे जाते हैं। यह भोजन जम्मू क्षेत्र की समृद्ध डोगरा संस्कृति का प्रतिबिंब है, जिसमें स्थानीय मसालों और पारंपरिक पाक शैली का मिश्रण होता है।

श्रीनगर से कटरा (कश्मीरी जायका): वापसी की यात्रा में, जब ट्रेन श्रीनगर से चलती है, तो यात्रियों को विश्व प्रसिद्ध कश्मीरी व्यंजनों जैसे कश्मीरी पुलाव,कश्मीरी कदम, जीरा आलू, हॉक पनीर, केसर फिरनी आदि का आनंद लेने का मौका मिलता है। केसर की खुशबू और कश्मीरी मसालों से तैयार यह भोजन यात्रियों को घाटी की मेहमाननवाजी का अहसास कराता है।

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक

भोजन का यह आदान-प्रदान महज एक 'मेन्यू' नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण (National Integration) का एक सशक्त प्रतीक है।

1.संस्कृतियों का जुड़ाव: डोगरा और कश्मीरी खान-पान को एक ही सफर का हिस्सा बनाकर, यह ट्रेन जम्मू और कश्मीर के दो अलग-अलग भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों को आपस में जोड़ रही है।

2.पर्यटन को बढ़ावा: देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक जब एक ही यात्रा में इन दोनों विविध स्वादों को चखते हैं, तो उन्हें भारत की विविधता में एकता का वास्तविक अनुभव होता है।

3.विकास और विरासत: यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के बीच एक सुंदर सेतु का काम कर रही है।

कश्मीर वंदे भारत एक्सप्रेस ने साबित कर दिया है कि यात्रा सिर्फ एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का नाम नहीं है, बल्कि यह देश की विविधताओं को करीब से जानने और उन्हें सम्मान देने का एक जरिया है। डोगरी और कश्मीरी व्यंजनों का यह अनोखा संगम भारत की अटूट एकता का संदेश पूरी दुनिया को दे रहा है।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य नर्सिंग अधीक्षक मंजू टोप्पो ने नवीनीकृत गहन चिकित्सा इकाई (आई.सी.यू.) का उद्घाटन किया

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की गरिमामयी

उपस्थिति में मुख्य नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मंजू टोप्पो ने 01 जनवरी, 2026 को ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में नवीनीकृत गहन चिकित्सा इकाई (आई.सी.यू.) का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, चिकित्सा निदेशक श्री ए.ए. खान, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने नवीनीकृत गहन चिकित्सा इकाई (आई.सी.यू.) में लगे जीवन रक्षक उपकरणों का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने लिनेन की सफाई एवं मरीज के साथ परिचारक की सुविधा का ध्यान रखने हेतु सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिये। तत्पश्चात श्री बोरवणकर ने चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को सजगता के साथ ड्यूटी करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये।

पूर्वोत्तर रेलवे के नवागत महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल श्री सत्य प्रकाश

गोरखपुर, : सत्य प्रकाश ने पूर्वोत्तर रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल का कार्यभार 01 जनवरी, 2026 को ग्रहण कर

लिया। इसके पूर्व, आप चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (सी.एल.डब्ल्यू.) में प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल के पद पर कार्यरत थे। सत्य प्रकाश ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डी.यू.) से सांइस एवं विधि में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। श्री सत्य प्रकाश ने वर्ष 1998 में रेल सेवा में पदार्पण किया। आप पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एवं जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी, लखनऊ में उप महानिरीक्षक तथा राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एन.एच.एस.आर.सी.एल.), पालघर में उप महानिरीक्षक/सुरक्षा एवं महानिरीक्षक/सुरक्षा के महत्वपूर्ण पदों के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। आपको रेल प्रबन्धन का गहन अनुभव प्राप्त है तथा रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

बरुआचक से 03.15 बजे छूटकर गोंडा 03.30 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा वरी, 2026 तक प्रतिदिन (16 जनवरी, 2026 को छोड़कर) तथा अयोध्या धाम से 14 से 23 जनवरी, 2026 तक प्रतिदिन (17 जनवरी, 2026 को छोड़कर) 09 फेरों के लिये चलने हेतु पूर्व में अधिसूचित 05078/05077 गोंडा-अयोध्या धाम-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन अब अयोध्या कैंट तक निम्नवत किया जायेगा। 05078 गोंडा-अयोध्या कैंट अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 13 से 22 जनवरी, 2026 तक (16 जनवरी, 2026 को छोड़कर) गोंडा से 21.40 बजे प्रस्थान कर बरुआचक से 21.52 बजे, मोतीगंज से 22.01 बजे, झिलाही से 22.10 बजे, मनकापुर से 22.40 बजे, टिकरी से 22.55 बजे, नवाबगंज से 23.05 बजे, कटरा से 23.16 बजे तथा रामघाट हाल्ट से 23.27 बजे, अयोध्या धाम जं. से 23.45 बजे छूटकर दूसरे दिन अयोध्या कैंट 00.05 बजे पहुँचेगी। 05077 अयोध्या कैंट-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 14 से 23 जनवरी, 2026 तक (17 जनवरी, 2026 को छोड़कर) अयोध्या कैंट से 00.25 बजे प्रस्थान कर अयोध्या धाम से 00.45 बजे, रामघाट हाल्ट से 00.56 बजे, कटरा से 01.06 बजे, नवाबगंज से 01.17 बजे, टिकरी से 01.27 बजे, मनकापुर से 02.45 बजे, झिलाही से 02.55 बजे, मोतीगंज से 03.04 बजे तथा बरुआचक से 03.15 बजे छूटकर गोंडा 03.30 बजे पहुँचेगी।

तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को रौंदा मामा-भांजे की कुचलकर मौत

कानपुर। स्वरूप नगर में देर रात ढाई बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मामा-भांजे को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। यह हादसा

गोल चौराहे से कोकाकोला चौराहे के बीच जीटी रोड पर हुआ। कानपुर के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में हैलट अस्पताल के दूसरे गेट के सामने जीटी रोड पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मामा-भांजे को रौंद दिया। इससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने कोकाकोला चौराहे के पास ट्रक को कब्जे में लिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कंजती निवासी अरुण कुमार शर्मा उर्फ दीपू के बेटे शिवम शर्मा (25) गांव में ही घाटमपुर कोतवाली के ग्राम शीतलपुर निवासी अपने सगे मामा शिवाकांत (27) के साथ बेकरी चलाता था। शिवम के चचेरे भाई आशुतोष शर्मा ने बताया कि 31 दिसंबर की रात केक के कई ऑर्डर लगे हुए थे। इस दौरान केक पैकिंग करने वाले डिब्बे खत्म हो गए। इस पर बुधवार देर रात मामा भांजे बाइक से जरीब चौकी चौराहे पर डिब्बे खरीदारी करने निकल पड़े। पुलिस ने परिजनों को मात्र 250 रुपये दिखाया बताया कि वह दोनों अभी जीटी रोड पर हैलट नहरिया के दूसरे गेट के माने पहुंचे थे कि गोल चौराहे से गुमटी की और जा रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। भागने के चक्कर में दोनों को रौंदता भाग निकला। हादसे के बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, तो कोहराम मच गया। चचेरे भाई का आरोप है कि माल खरीदने जाते समय शिवम के पास 15 से 20 हजार रुपए रखे थे, लेकिन पुलिस ने परिजनों को मात्र 250 रुपये दिखाया है। दो माह पहले ही शुरू किया था काम परिजनों ने बताया कि दो महीने पहले ही शिवम में मामा के साथ बेकरी का काम शुरू किया था। काम भी काफी अच्छा चल रहा था, उन्होंने कहा था कि जितनी मेहनत उन्हें परिवार चलाने के लिए बीते वर्षों में करनी पड़ी है। वह अपने भाइयों को अब काम सिखाकर मजबूत करेंगे।

लाठी-डंडे से पीट- पीटकर युवक की हत्या, आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में बाजार से घर जा रहे युवक की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इसी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। आजमगढ़ जिले के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के इटैली बाजार से बुधवार की रात अपने घर जा रहे दरिया नेवादा निवासी अखिलेश सोनकर (25) पर रास्ते में बाइक सवार तीन युवकों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए उसे

मेहनाजपुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां स्थिति नाजूक देख चिकित्सकों ने लालगंज रेफर कर दिया। यहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बृहस्पतिवार की सुबह 9 बजे आक्रोशित लोगों ने मेहनाजपुर-वाराणसी-चिरैयाकोट तिराहे पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे सीओ लालगंज भूपेश पांडेय आदि अधिकारियों ने 12 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद 11:30 बजे जाम समाप्त हुआ। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पुलिस प्रशासन के विरुद्ध बड़ा अभियान चलाया जाएगा। देर रात हुई इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं चलती रहीं।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 30 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट द्वारा गाड़ी सं0 15280 में 11 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट देवरिया को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, देवरिया को सुपुर्द किया गया। 30 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14673 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के परिचित के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 30 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं. को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15206 में महिला यात्री का छूटा ट्राली बैग मिला, जिसे लखनऊ जं. पोस्ट पर जमा कराया गया। महिला यात्री के रिस्तेदार के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त ट्राली बैग सुपुर्द किया गया। 25 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट औड़िहार को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15160 में महिला यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे औड़िहार पोस्ट पर जमा कराया गया। 31 दिसम्बर, 2025 को महिला यात्री के पिता के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

स्कूटी सवार को टक्कर मारते हुए 10 किलोमीटर तक घसीटता रहा कार सवार

मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कार सवार ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मारने के बाद घसीटता गया। जिससे उसके शरीर के चिथड़े उड़ गए। मिजार्पुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के भुइली खास गांव के पास कार सवार ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। इसके बाद कंबल वितरण के लिए खड़े लोगों को टक्कर मारते हुए भागने लगा। इस दौरान स्कूटी सवार युवक कार में फंस गया। कार 10 किलोमीटर तक युवक को घसीटते हुए जमालपुर थाना क्षेत्र को पार करते हुए चंदौली जिले के मझगवां जाकर पलट गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची तो वहां युवक का कंकाल मिला। सड़क पर घसीटने से उसके शरीर के चिथड़े उड़ गए थे। घटना के बाद मौके पर जुटे लोग शव देखकर हैरान रह गए। अदलहाट थानाध्यक्ष अजय सेठ ने बताया कि शेरवा-अदलहाट मार्ग पर कंबल वितरण का कार्यक्रम चल रहा था। शेरवा की ओर से स्कूटी सवार तीन लोग अदलहाट की ओर जा रहे थे। सामने से आई कार ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों को को भी टक्कर मारते हुए कार सवार भागने लगी। इस दौरान स्कूटी सवार कार में फंस गया, जिसे घसीटते हुए चंदौली जिले में पहुंच गया। घटना में युवक का शरीर पूरी तरह से खत्म हो चुका था।

काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए भक्तों की लगी कतार

वाराणसी। वाराणसी में नए साल पर काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मंगला आरती के बाद से ही कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन- पूजन का सिलसिला जारी है। नए साल के अवसर पर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में बृहस्पतिवार की सुबह मंगला आरती के बाद आम भक्तों के लिए बाबा के द्वार खुल गए। लाखों की संख्या में कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। इस दौरान हर- हर महादेव के जयकारे से पूरा परिसर गूंज उठा। गंगाद्वार समेत सभी प्रवेश द्वार पर भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन की ओर से लागू प्रोटोकॉल के तहत विशेष दर्शन और स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध है। मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से भीड़ बढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

अजगर को जंगल में छोड़ा गया

कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के कठार जंगल गांव में बुधवार को अजगर दिखने से सनसनी फैल गई। वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, कठार जंगल गांव दोपहर में गोशाला के पूरब एक विशालकाय अजगर को ग्रामीणों ने देखा। इसकी सूचना वन दरोगा जगदीश प्रसाद को दी। उन्होंने टीम के साथ पहुंचकर अजगर को पकड़ लिया। कप्तानगंज के रेंजर राजू प्रसाद ने बताया कि अजगर को पकड़वाकर जंगल में छोड़ दिया गया है।

दो जगहों पर मारपीट, पांच पर प्राथमिकी

बस्ती। हरैया और छावनी थाना क्षेत्रों में मारपीट व गाली-गलौज की दो अलग-अलग घटनाओं में पुलिस ने बुधवार को पांच आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। हरैया थाना क्षेत्र के ग्राम कोदई निवासी रामभवन ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जमीन बंटवारे के विवाद में गांव के ही आज्ञाराम व सूर्यनाथ ने 25 दिसंबर को गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। दूसरी घटना थाना छावनी क्षेत्र के पूरे बेद पांडेय पुरवा की है। 30 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे बलुआ बसगोती पतिराम यादव के साथ गाली-गलौज कर लात-घूंसे व लोहे की रॉड से मारपीट की गई। आरोप है कि मारपीट के दौरान मोबाइल फोन भी जेब से निकालकर सड़क पर पटक कर तोड़ दिया गया। इस मामले में पवन यादव, रामपाल व मनीष पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

समायोजन के विरोध में शिक्षकों ने भरी हुंकार

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में जिले के अंदर हो रहे समायोजन को लेकर शिक्षकों में भारी आक्रोश है। बुधवार को शिक्षकों ने उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में डीएम और बीएसए को ज्ञापन सौंपा। दोनों अधिकारियों ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों का कहना है कि जो शिक्षक सरप्लस हैं, उन्हें बंद और एकल विद्यालयों में भेजने के लिए नियम संगत तरीके से काउंसिलिंग कराई जाए, ताकि शिक्षक मनचाहे विद्यालय में जा सकें। जिलाध्यक्ष ने कहा कि विभाग ने मनमानी तरीके से बंद व एकल विद्यालयों तथा सरप्लस शिक्षकों की सूची जारी की है, जबकि वास्तव में बंद और एकल विद्यालयों को प्रदर्शित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कम छात्र संख्या दिखाकर बड़ी संख्या में शिक्षकों को सरप्लस दिखाया गया है। यदि शिक्षकों की मांगे नहीं मानी गई तो शिक्षक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि मृतक और स्थानांतरित हो चुके शिक्षकों के नाम भी विद्यालय की सूची में प्रदर्शित हो रहा है।

हादसे में युवक की दिल्ली में मौत

महादेवा। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम लहरी निवासी अंकित (22) की मंगलवार की दोपहर में करीब 12 बजे दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई। वह मोतीबाग इलाके में रहकर पेंटिंग का काम करता था। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही पिता गोपाल दिल्ली रवाना हो गए हैं। अंकित दो भाइयों में सबसे बड़ा था। पिता गांव में रहकर मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। छोटा भाई पढ़ाई कर रहा है। घर की जिम्मेदारियां अंकित के कंधों पर थी।

एक जनवरी से मार्च तक निषेधाज्ञा लागू

बस्ती। जिला प्रशासन ने एक जनवरी 2026 से मार्च में पड़ने वाले होली के त्योहार तक पूरे जनपद में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इस अवधि में लोग धरना प्रदर्शन, जुलूस, हड़ताल या अन्य कोई भी संगठित गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने कहा कि नए साल, मुस्लिम और हिंदू समुदाय के विभिन्न त्योहार और बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर जिले में धारा 144/163 के तहत निषेधाज्ञा प्रभावी की गई है। इस दौरान कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का आपत्तिजनक हरकत करेगा तो उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई होगी।

निराश्रितों को ठंड से बचाने के निर्देश

बस्ती। डीएम कृत्तिका ज्योत्सना ने नए साल 2026 को कुछ नए अंदाज में मनाने का फैसला लिया। पूर्व संध्या पर डीएम रात्रिकालीन भ्रमण पर निकलीं तो उनके साथ मातहत अफसर भी दौड़ पड़े। डीएम ने रैनबसेरा, रोडवेज, अस्पताल आदि सार्वजनिक जगहों का भ्रमण किया। अफसरों को निर्देश दिए कि कोई भी निराश्रित ठंड में ठिठुरने न पाए। अफसरों की टीम के साथ डीएम देर रात भ्रमण कार्यक्रम जारी रखा। उन्होंने रोडवेज, पचपेड़िया, जिला अस्पताल एवं महिला अस्पताल के रैनबसेरा का निरीक्षण किया। इसके बाद वह जिला व महिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच भी पहुंचीं। यहां मरीजों से ठंड से बचाव एवं दवाओं के बारे में पूछताछ की। दोनों अस्पतालों के एसआईसी व सीएमएस को निर्देशित किया कि पर्याप्त कंबल और वार्डों में हीटर की व्यवस्था की जाए।

अनियंत्रित होकर स्कूटी से गिरकर युवती

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर बरहुआ चौराहे के पास बुधवार की शाम करीब 6:30 बजे स्कूटी सवार युवती अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर घायल हो गई।जानकारी के अनुसार, शिवाघाट निवासी गायत्री (20) स्कूटी से घर जा रही थी। बरहुआ-डगरा के पास जर्जर सड़क के कारण स्कूटी अनियंत्रित हो गई और वह गिरकर घायल हो गई। राहगीरों ने उसे पीएचसी सल्टौआ पहुंचा। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवती को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पुरानी रंजिश में मारपीट, चार पर प्राथमिकी

बस्ती। पुरानी रंजिश में मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में हरैया पुलिस ने चार नामजद आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों में रामबाबू चौहान निवासी बेलाड़े शुक्ल, जय चौधरी निवासी कप्तानगंज, सागर सोनकर निवासी कस्बा हरैया एवं अमित चौहान निवासी बबुरहवा थाना छावनी शामिल हैं। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ओझागांव निवासी अमर गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बुधवार की दोपहर करीब दो बजे बिहरा मोड़ पर विपक्षियों ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी।

रटने की जगह फामूर्लों को समझने की जरूरत

बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा नजदीक आ गई है। ऐसे में विद्यार्थियों ने पढ़ाई तेज कर दी है, मगर केमिस्ट्री उन्हें परेशान कर रही है। वे केमिस्ट्री विषय विशेषज्ञ से सलाह भी ले रहे हैं। विषय विशेषज्ञ नितिन चावला का कहना है कि केमिस्ट्री को रटने की जगह फामूर्लों को समझने की जरूरत है। यदि केमिस्ट्री के फामूर्ले समझ में आ गए तो मैथ की तरह इसमें भी नंबर पाएंगे। यहीं विद्यार्थियों की नैया पार लगाएगी। यदि विद्यार्थी रटने में जुटेंगे तो परीक्षा में उलझ जाएंगे। फामूर्लों को समझना बेहद जरूरी है। क्योंकि इससे विद्यार्थी सवालों को आसानी से हल कर पाते हैं। फामूर्लों लंबे समय तक याद रहते हैं। गणितीय सोच विकसित होती है और विद्यार्थी आत्मविश्वास महसूस करते हैं। इससे समस्या का समाधान हो जाता है।

कुलदीप ने वंशिका के साथ नए साल का किया स्वागत जय शाह-कुंबले और लक्ष्मण ने भी दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारतीय स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने नए साल 2026 का स्वागत अपनी मंगेतर वंशिका चड्ढा के साथ किया और सोशल मीडिया पर उनकी क्यूट तस्वीरें खूब वायरल हुईं। इस बीच आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने भी नए साल के पहले दिन क्रिकेट प्रेमियों को प्रेरणादायक शुभकामनाएं दीं। भारत के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव इन दिनों ब्रेक पर हैं। भारतीय टीम को अगली सीरीज न्यूजीलैंड से 11 जनवरी से खेलनी है। इससे पहले कुलदीप अपने करीबियों के साथ समय बिताते दिखे। नए साल 2026 का स्वागत कुलदीप ने अपनी मंगेतर वंशिका के साथ किया। कुलदीप ने वंशिका के साथ दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। दोनों किसी बगीचे में नजर आ रहे हैं और बेहद क्यूट दिख रहे हैं। कुलदीप ने कैप्शन में लिखा- 2026 आपके साथ। वहीं, आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने भी लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। कुलदीप-वंशिका की पिछले साल हुई थी

यादों के साथ अलविदा 2025, स्वागत नव वर्ष 2026

■ठंड पर हावी रहा 'न्यू ईयर' जोश, 12 बजते ही बोला 'हेप्पी न्यू ईयर'

■ ग्वालियर

बुधवार की ठंड नए साल के जश्न के आगे कमजोर नजर आई। शाम होते ही लोगों का रुख होटलों और पार्टियों की तरफ हो गया। पुराने वर्ष की विदाई और नए वर्ष के स्वागत का सिलसिला रात 12 बजे तक चला और शहरवासियों ने एक दूसरे को 'हेप्पी न्यू ईयर' बोलकर बधाई दी। रात 12 बजते ही जोरदार आतिशबाजी कर केक काटा गया। 31 दिसंबर की रात को यादगार बनाने के लिए होटलों में शानदार पार्टियां हुई और डीजे की धुन पर जमकर डांस हुआ। इस मौके पर गरमागरम भोजन का भी आनंद लिया।

भगवान का आशीर्वाद लेकर होगी नववर्ष की शुरुआत

हिन्दू परंपरा के अनुसार किसी भी नए कार्य को शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लिया जाता है। इसी तारतम्य में नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे। मंदिर प्रबंधन ने भी पूरी तैयारी कर ली है। श्री अचलेश्वर मंदिर के गर्भ ग्रह में भक्तों के लिए बेरिकेड्स लगाए गए हैं जिससे वह सुगमता से भगवान के दर्शन कर सकें। वहीं, अन्य मंदिरों पर भी भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। विकास नगर स्थित साईं बाबा मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

आज निकलेगी 5100 फीट लंबी चुनरी शोभायात्रा

अग्रवाल समाज द्वारा 1 जनवरी गुरुवार को सुबह 10 बजे महाराज बाड़ा से 5100 फीट लंबी चुनरी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में मां लक्ष्मी जी पालकी में सवार होकर चलेंगी। अग्रवाल परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि इस आयोजन हेतु 500 अग्रबंधुओं ने इस शोभायात्रा में शामिल होने का संकल्प लिया है।

यहां होगी सबसे अधिक भीड़

नव वर्ष के पहले दिन ग्वालियर व्यापार मेले, चिड़ियाघर, मॉल, किला, फूलबाग, क्लब आदि जगहों पर लोगों की जबरदस्त भीड़ होने वाली है।

सीमा से शहर तक कड़ी चौकसी, शराबियों को हवालात पहुंचाया

नववर्ष की पूर्व संध्या पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ग्वालियर पुलिस द्वारा जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया गया, इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों पर चेकिंग की गई। इस दौरान शराब पीकर वाहन चला रहे लोगों को हवालात भी पहुंचाया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुलिसकर्मियों को शहर के प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों, होटल-ढाबों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तैनात करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग ब्रीथ एनालाइजर से की गई।

यातायात परिवर्तित रहेगा

नए साल के पहले दिन सड़कों पर लोगों की भीड़ सड़कों पर ज्यादा रहेगी, इसलिए कुछ स्थानों के यातायात को भी परिवर्तित किया गया है। मुरार तरफ से जिसको महाराज बाड़ा जाना है वह सिटी सेंटर-चेतकपुरी से अचलेश्वर होते हुए बाड़े जाएंगे और जिनको किला जाना है वह गोला का मंदिर से हजीरा होते हुए किले की ओर जाएंगे, वर्तमान में फूलबाग पर फ्लाईओवर का काम चल रहा है जिससे मार्ग में डायवर्सन होने से डीडी मॉल तथा चिड़ियाघर की तरफ आने से बचें।

नए साल के जश्न के लिए 36 लोगों ने मांगा एक दिन का शराब लाइसेंस

■आबकारी विभाग को मिले ऑनलाइन आवेदन, 500 से 10 हजार तक शुल्क

■ ग्वालियर

नए साल के जश्न को खास बनाने के लिए ग्वालियर में सुरा प्रेमियों का उत्साह साफ नजर आ रहा है। शहर में निजी तौर पर जश्न मनाने के लिए 36 लोगों ने आबकारी विभाग से एफएल-5 (एक दिन का शराब लाइसेंस) लेने के लिए आवेदन किया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार ये सभी आवेदन ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की आबकारी नीति में एक दिन के लिए शराब लाइसेंस की व्यवस्था लागू की थी। इसके तहत कोई भी व्यक्ति अपने घर पर या निर्धारित स्थान पर पार्टी के लिए मात्र 500 रुपए शुल्क जमा कर ऑनलाइन लाइसेंस प्राप्त कर सकता है। वहीं मैरिज गार्डन, हॉल और रेस्तरां में आयोजन के लिए यह शुल्क 5 हजार रुपए निर्धारित है, जबकि बड़े आयोजनों के लिए यह 10 हजार रुपए तक है। लाइसेंस लेने के बाद शराब की सप्लाई खुली बाजार की वैध दुकानों से ही करनी होती है। लाइसेंस धारक तय नियमों के तहत अपने साथियों के साथ पार्टी कर सकता है और वैधानिक लाइसेंस होने के कारण आयोजन में किसी प्रकार की कानूनी बाधा नहीं आती।

'दारू नहीं, दूध' का संदेश, 1500 लोगों ने पिया दूध

ग्वालियर। एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी एवं यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर इंदरगंज चौराहे पर 'दारू नहीं, दूध' का अभियान चलाया गया। इस पहल में करीब 1500 लोगों ने लाइन में लगकर मिट्टी के कुल्हड़ में दूध पीकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कट्ठल, डॉ. राकेश अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, दिनेश जैन, रामकुमार गोयल आदि उपस्थित रहे।

सिंधिया के जन्मदिन पर आज 201 किलो लड्डुओं का होगा वितरण

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्मदिन एक जनवरी को महाराज बाड़ा पर धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक व पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने बताया कि 1 जनवरी को शाम 4 बजे श्री सिंधिया का जन्मदिन केक काटकर मनाया जाएगा। इस अवसर पर 201 किलो लड्डुओं का वितरण, एसएएफ बैंड द्वारा संगीतमय प्रस्तुति व आतिशबाजी की जाएगी। श्री सिंधिया के जन्मदिन पर विजय गर्ग, गुड्डू वारसी, किशन मुदगल, रामनारायण मिश्रा, सुरेंद्र परमार चच्चू, सुरेन्द्र शर्मा सरपंच, आनंद सावंत, उमाशंकर सोनी, हर्षजीत शिंदे, विशाल जैन, नवीन यामिनी परांडे, अनिल सांखला, जितेंद्र मुदगल, अमर कुटे, संजय सिंघल, रुचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग, ऊषा चौहान, नरेश देव, सतीश साहू आदि ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति होने की अपील की है।

फल वितरण आज: वहीं श्री सिंधिया के जन्म दिवस पर गुरुवार को सुबह 10 बजे साईं बाबा मंदिर बैंकर्स कॉलोनी दर्पण नगर में पूजन कर फल वितरित किए जाएंगे। यह जानकारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, शिव सिंह यादव एवं विवेक दांतरे ने दी।

मैपिंग से छूटे मतदाता पहचान दस्तावेज के आधार पर करा सकेंगे सत्यापन

■ईआरओ दे रहे हैं नोटिस 14 फरवरी तक चलेगा सत्यापन चरण

■ ग्वालियर

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत अब नोटिस चरण शुरू कर दिया गया है। इस चरण में उन मतदाताओं को सुनवाई का अवसर दिया जा रहा है, जिनके नाम पिछली मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाए हैं।

जिन मतदाताओं का नाम पिछले एसआईआर से मेल नहीं खा सका है, उन्हें संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस के माध्यम से ऐसे मतदाताओं को निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर अपने पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा या सत्यापित किया जा सके। यह नोटिस चरण 14 फरवरी 2026 तक पूर्ण किया जाएगा।

पांच दिवस में अनिवार्य सत्यापन के निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदाता द्वारा पहचान दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने की तिथि से पांच दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण की जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित न रहे।

ये पहचान दस्तावेज होंगे मान्य

सत्यापन के दौरान आयोग द्वारा निर्धारित पहचान दस्तावेजों को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। इन दस्तावेजों के आधार पर पात्र व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवा सकते हैं।

- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र
- पासपोर्ट
- मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक शैक्षिक प्रमाण-पत्र
- स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र
- वन अधिकार प्रमाण-पत्र
- जाति प्रमाण-पत्र
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी)
- राज्य सरकार या स्थानीय निकाय द्वारा जारी पारिवारिक रजिस्टर
- सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण-पत्र
- निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार आधार कार्ड सरकार या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पेंशन पहचान व भुगतान पत्र
- सरकार, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र एवं अन्य वैध दस्तावेज

पात्र मतदाता न छूटे, यही उद्देश्य

निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें ईआरओ द्वारा नोटिस प्राप्त हुआ है, तो वे समय पर उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें और सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करें।

बिजली का तार न बदलने पर रेस्टोरेंट में घुसकर तोड़फोड़

■ ग्वालियर

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के पिंटो पार्क स्थित ओटीपी रेस्टोरेंट में कुछ नकाबपोश युवकों ने घुसकर जमकर उत्पात मचा दिया। हमलावरों ने पहले रेस्टोरेंट संचालक के भाई के साथ मारपीट की और विरोध किया तो तोड़फोड़ शुरू कर दी। उपद्रवियों ने रिसेप्शन काउंटर पर लगे एलईडी पैनल और काउंटर को भी तोड़ दिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस ने मामले में गोला का मंदिर थाना में बुधवार को प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शहर की गायत्री विहार कॉलोनी निवासी छोटू पुत्र रामसहाय जाटव अपने बड़े भाई के साथ राजकिशोर गार्डन के पास स्थित ओटीपी रेस्टोरेंट का संचालन करता है। पास ही राकेश कुशवाह की इलेक्ट्रिकल की दुकान है, जहां से दो दिन पहले छोटू ने बिजली का तार खरीदा था। तार ले जाने के बाद छोटू ने उसे खराब बताते हुए वापस करने की बात कही, जिस पर दोनों के बीच विवाद हो गया और बात मारपीट तक पहुंच गई। सोमवार को दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। मंगलवार रात राकेश कुशवाह, मायाराम कुशवाह और विशाल वाल्मीकि रेस्टोरेंट पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। छोटू के विरोध करने पर तीनों ने चेहरे पर साफी बांधकर रेस्टोरेंट में रखे सामान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। आरोप है कि छोटू जाटव पर डंडे से हमला किया गया, जिसमें उसके हाथ में चोट आई। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी।

मेला पार्किंग में वाहन किराया सूची प्रदर्शित की जाएगी

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेले में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सिटी मजिस्ट्रेट प्रतिदिन पुलिस और मेला प्राधिकरण अधिकारियों के साथ मेले का भ्रमण करें। मेला पार्किंग में वाहन किराया सूची प्रदर्शित की जाए जिससे आने वाले सैलानियों से अधिक पैसे नहीं लिए जा सकें। यह निर्देश प्रभारी कलेक्टर कुमार सत्यम ने बुधवार शाम मेला प्राधिकरण कार्यालय में राजस्व, पुलिस, नगर निगम एवं अन्य विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर दिए। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि झूला सेक्टर सहित अन्य सभी सेक्टरों में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें। मेले में अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत फायर की मॉकड्रिल भी कराई जाए। फूड सेक्टर में खाद्य सुरक्षा को ध्यान रखते हुए नमूने लिए जाएं। घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग कतई नहीं हो। बैठक में मेले की साफ-सफाई, पेयजल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा हुई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मेले में होंगी पुरुष और महिला पहलवानों की कुश्तियां

ग्वालियर व्यापार मेले में इस बार भी पुरुष और महिला पहलवानों की कुश्तियां होने जा रही हैं। इस दौरान पुरुष पहलवानों की जिला, संभाग व राज्य स्तरीय और महिलाओं की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होंगी। दंगल का आयोजन मेला परिसर स्थित मंगल वाटिका प्रांगण में होगा। दंगल के नोडल अधिकारी एवं जिला खेल व युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला ने बताया कि पुरुष पहलवानों की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 19 से 20 जनवरी तक आयोजित होगी, जिसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता 45, 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम भार वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे। पुरुषों की संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 21 से 22 जनवरी तक आयोजित होगी, जिसमें 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम भार वर्ग के खिलाड़ी शिरकत करेंगे। पुरुष पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्य भर के 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम भार वर्ग के पहलवान अपने दांव-पेंच दिखाएंगे। महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। महिला दंगल में 50, 55, 60 व 65 किलोग्राम भार वर्ग की महिला पहलवान भाग लेंगी। इन स्पर्धाओं में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ी जोसेफ बक्सला, जिला कुश्ती प्रशिक्षक डॉ. कुंवर राज और करमवीर सिंह से संपर्क कर सकते हैं।

11 बजे तक कोहरा छाया रहा ठंडी हवा दिन भर चली

■लगातार चौथे दिन शीत-प्रहार

■ ग्वालियर

शहर में लगातार चौथे दिन ठंड के प्रकोप ने लगातार लोगों को परेशान किया। सुबह 11 बजे तक कोहरा छाया रहा। इसके बाद ठंडी हवाएं चलीं। रात होते ही शीत लहर चलने लगी। पूर्वी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आ रही है। बुधवार को सुबह की शुरुआत घने कोहरे से हुई। जिससे दृश्यता 100 मीटर से भी कम रह गई। लोगों को लाइट जलाकर वाहन चलाने पड़ रहे हैं। वहीं, कोहरे के कारण उत्तर भारत की ओर से आने वाली ट्रेनें डेढ़ से दो घंटे देरी से चल रही हैं।

बुधवार दोपहर 11 बजे तक सूर्य नारायण ने दर्शन नहीं दिए। दोपहर में धूप भी कमजोर रही। बुधवार को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस रहा। यह मंगलवार की अपेक्षा 0.2 डिग्री सेल्सियस कम था। दोपहर में सबसे कम तापमान सुबह 11.30 बजे 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा मौसम अभी कुछ दिन और रहेगा।

लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही

ग्वालियर में अब ठंड अपना कहर बरपा रही है। उत्तर पूर्वी भारत से आ रही ठंडी हवा से मौसम बेहद ठंडा बना हुआ है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कोहरे के चलते लोगों की दिनचर्या पर असर पड़ा है।

पूर्व मंत्री शुक्ल की कोठी पर हुआ समझौता

दो घंटे मन का मैल धोया तब गले मिले सतीश और सुरेंद्र

■ ग्वालियर

'रात गई बात गई' की तर्ज पर कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के बीच वरिष्ठ नेताओं ने समझौता करा दिया लेकिन बात इतनी बढ़ चुकी थी कि समझौता कराने में दो घंटे से अधिक का समय लग गया क्योंकि दोनों ही नेताओं ने एक दूसरे से नाराजगी का कारण सामने रखा। अंत में दोनों को गले मिलवाकर कांग्रेस की मजबूती के लिए काम करने का संकल्प कराया गया।

यहां बता दें कि किसी समय श्री सिकरवार और श्री यादव एकसाथ ही हुआ करते थे और उस समय सतीश सिकरवार की

सिफारिश पर उन्हें संगठन मंत्री बनाया गया था लेकिन इसके बाद किसी वजह से मतभेद हुए तब दोनों की राहें अलग हो गईं और यादव ने सिकरवार के यहां जाना बंद कर दिया।

इस बीच शहर कांग्रेस अध्यक्ष बदलने के लिए नाम चले तो उसमें सतीश द्वारा रखे नाम की जगह सुरेंद्र का नाम फायनल हो गया। इसके बाद से ही दोनों के बीच मतभेद उजागर होने लगे, क्योंकि यह दोनों एक साथ मंच साझा नहीं करते थे और बहुत से कार्यक्रम अलग-अलग यानि कि समानांतर होने लगे। जिसपर पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता बालेंदु शुक्ल ने पहल करते हुए न सिर्फ इन दोनों नेताओं बल्कि आधा दर्जन वरिष्ठ नेताओं को बुधवार को सायं 4 बजे अपनी कोठी पर बुलाया। पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव एवं पूर्व अध्यक्ष चन्द्रमोहन नागौरी की मौजूदगी में पांच नेता एक टेबल पर बैठे फिर दोनों नेताओं की बातें सुनी गईं। दोनों ने ही अपने मन की भड़ास निकाली कि आखिर क्यों मतभेद पनपे। अंत में दो घंटे की मशक्कत के बाद एक दूसरे से मतभेद न रख साझा कार्यक्रम कर कांग्रेस की मजबूती के लिए जुटने पर सहमति बनी। फिर दोनों को गले भी मिलवाया गया। बैठक में मुरार ब्लॉक अध्यक्ष पर अलग-अलग नाम के लिए न अड़ने पर भी चर्चा हुई। क्योंकि एक पक्ष सौरभ जैन तो दूसरा पक्ष विनोद जैन के नाम पर अड़ रहा था। बैठक के लिए सांसद अशोक सिंह, पूर्व सांसद रामसेवक गुर्जर, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक एवं प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा को भी बुलाया गया था लेकिन यह नहीं आ सके।

सम्मान में बुलाया, नहीं आए

सिकरवार ने कहा कि मैंने तोरण वाटिका में 201 वरिष्ठ कांग्रेसजनों के सम्मान में यादव को फोन कर बुलाया पर नहीं आए। यादव ने कहा कि मेरा कहीं और जाने का कार्यक्रम था इसलिए नहीं जा पाया,वैसे भी यह आयोजन कांग्रेस कार्यालय पर हुआ था। इसे भी कांग्रेस कार्यालय पर रखा जा सकता था। इसी तरह सिकरवार ने कहा कि नए साल पर एक जनवरी को जीवायएमसी गार्डन में सहभोज में इन्हें आना चाहिए लेकिन यादव ने कहा कि वह बाहर जा रहे हैं। इस तरह दोनों के मन कितना मिले यह भविष्य में ही सामने आ पाएगा।

दो दिन बाद भी नहीं हो सकी शव की पहचान चिकित्सक को मौके पर लेकर पहुंची पुलिस

■ ग्वालियर

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में अर्द्धनग्न हालत में महिला के मिले शव की दो दिन बाद भी पहचान नहीं हो सकी है। महिला के साथ दरिंदगी की घटना करने के बाद हत्या को अंजाम दिया गया है। पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयास कर रही है तो वहीं मृतका की पहचान के लिए दूसरे जिलों से भी सम्पर्क किया जा रहा है।

बता दें, कटारे फार्म हाउस के जंगल में सोमवार शाम के समय महिला का शव अर्द्धनग्न हालत में पड़ा मिला था। दो दिन बीत जाने के बाद भी मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस महिला की पहचान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और दूसरे जिलों की पुलिस से सम्पर्क कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उनके यहां कौन-कौन सी महिलाओं की गुमशुदगी है। हालांकि, पुलिस ने मंगलवार को मृतका की एक साथी की पहचान करने की बात कही थी लेकिन उसकी भी सटीक सूचना नहीं मिल पा रही है। पुलिस ने चिकित्सकों की टीम से महिला के शव का अतः परीक्षण कराया है। पुलिस अपने स्तर पर पहचान करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। पुलिस बुधवार को कटारे फार्म हाउस मौके पर चिकित्सकों को लेकर पहुंची। पुलिस का प्रयास है कि यदि महिला के साथ दरिंदगी करने वाला पकड़ा जाए तो उसे सजा मिल सके। इसलिए पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

इनका कहना है

शव की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर चिकित्सकों को भी ले गए थे ताकि इस प्रकार का कृत्य करने वाले को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। चिकित्सकों ने कई जानकारियां दी हैं जो जांच के दौरान पुलिस के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी।

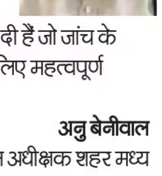

अनु बेनीवाल
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य

सम्पादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुजुर्गों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है।यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफएटी के बैनर तले की गई। आईएफएटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक खत में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां श10 मिनट डिलीवरीश का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।गौरतलब है कि इस साल की शुरूआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मकसद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार शगिग वर्कर्सश, श्प्लेटफॉर्म वर्कर्सश और शएग्रीगेटर्सश कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुमार्ने आदि से पैसा आएगा।ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि वे श्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन ये हड़ताल कुछ और ही कहानी बयां करती है। असल में ये मोदी सरकार की नाकामी का एक और सबूत है। सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर पकौड़ा तलने और रील बनाने की सलाह देती है। जो लोग ये नहीं कर पा रहे, वो अब गिग वर्कर बनने पर मजबूर हैं। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है। उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं।शेख सलाउद्दीन कहते हैं, डिलीवरी करने वाले वर्कर्स की फीस को दिन ब दिन कम किया जा रहा है। प्रति ऑर्डर पहले 80 रुपये फिर 60 रुपये और अब 10 रुपये 20 रुपये, 15 रुपये तक दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनियां हमें धमकी दे रही हैं। वेयरहाउस के पास बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं और कर्मचारियों के आईडी ब्लॉक किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या इन कंपनियों को सरकार का बिलकुल खौफ नहीं है, जो वो डिलीवरी करने वाले कर्मियों के वेतन मनमाने तरीके से कम कर रही है, और उन्हें मजबूर कर रही है कि वो काम करें। क्या श्रम मंत्रालय भी इस इंतजार में था कि गिग वर्कर्स अपनी मांगों को सामने रखने के लिए हड़ताल करें, तब उन्हें सुना जाएगा।

मेरी स्विनी जन्मदिन विशेष- अतियथार्थवादी दुनिया पकड़ने वाली

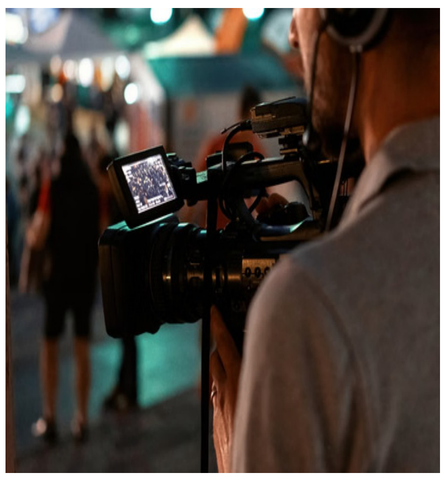

> *आप इस फिल्म की स्वप्न जैसी गुणवत्ता से अवश्य प्रभावित हुए होंगे। ऐसी क्वालिटी बिना कुशल एडिटर के नहीं आ सकती है। पर दर्शक को एडिटर के नाम से क्या मतलब, वह इसकी चिंता नहीं करता है। कला के साथ-साथ कलाकार का नाम जानना चाहिए। हां, ढ़ेर सारे कलाकार अनाम रह जाते हैं, जैसे गुफा चित्रों के कलाकार। कोई उपाय नहीं है, आज हमारे पास इनका नाम जानने का। जैसे, तमाम आदिवासी कलाकारों का नाम कोई नहीं जानता है। आज हमारे पास जानने की सुविधा है, पर कई कारणों से ये नाम अनजाने रहते हैं। सिनेमा के ग्राहक असीमित हैं, इससे जुड़े कलाकारों के नाम जान पाना आज कोई मुश्किल काम नहीं है। जरा-सा खोजेंगे तो आपको मुल्होलैंड ड्राइव के एडिटर का नाम पता चल जाएगा। चलिए, मैं ही बता देती हूं। इसके एडिटर का नाम है, मेरी स्विनी। उन्होंने अब तक 9 फिल्मों की एडिटिंग की है, 9 प्रड्यूस, 5 लिखीं एवं 2 निर्देशित की हैं। 3 फिल्मों का ध्वनि विभाग भी संभाला है। मेरी स्विनी ने मुल्होलैंड ड्राइव (2001) के अलावा ट्विन पीक्सः फायर वॉक विद मी (1990), द स्ट्रेट स्टोरी (1999), लॉस्ट हाईवे (1997), बाराबू (2009) की एडिटिंग की। साथ ही उन्होंने ट्विन पीक्स (1990), ऑन दि एयर (1992), होटेल रूम (1993) टीवी सीरियल के एक-एक एपिसोड और इन दि आई एबाइड्स द हार्ट (2006) लघु फिल्म की एडिटिंग भी की है। हर फिल्म की रेटिंग खूब ऊंची रही है। मेरी ने मुल्होलैंड ड्राइव, द स्ट्रेट स्टोरी, लॉस्ट हाईवे, ट्विन पीक्स तथा ट्विन पीक्सः फायर वॉक विद मी का लेखन भी किया। बाफ्टा पुरस्कार से नवाजी मेरी स्विनी ने डेविड लिंच के साथ कई फिल्मों में काम किया। दोनों 10 मई 2006 से लेकर 12 फरवरी 2007 तक पति-पत्नी रहे। उनका एक बेटा रैली लिंच है, वे लिंच के अन्य दो (ऑस्टिन जैक एवं जेनिफर) बच्चों की सौतेली मां (मुझे इस शब्द से तकलीफ होती है) हैं। दोनों के अलग होने पर खूब सनसनीखेज खबरें उड़ी। डेविड लिंच और मेरी स्विनी एक ओर वे इन खबरों से आहत थीं, दूसरी ओर उन्होंने अपना कार्य जारी रखा। उन्होंने तलाक के बाद बाराबू एवं इन दि आई एबाइड्स द हार्ट का निर्देशन किया। 15 जनवरी 2025 को जब डेविड लिंच की हृदयाघात से मृत्यु हुई, उसके बाद मेरी ने एक संवाद में डेविड के साथ अपने विकास, निजी एवं सृजनात्मक जीवन के बारे में बताया। यह संवाद वे उसी स्थान पेरिस होटल के एक कमरे में सात साल बाद कर रही थीं, जहां उन्होंने पहले भी लोगों से अपने जीवन और डेविड के साथ काम करने के अनुभव साझा किए थे। इस बार के संवाद में एक संवेदनशील व्यक्ति की भांति अपने एक समय के साथी के जाने का सोग था, शोक था, व्यथा थी। उन्होंने यह भबताया कि स्त्री के लिए जीवन नैया खेना कितना कठिन, कितना जटिल होता है। मेरी स्विनी इस संवाद में डेविड के साथ अपनी लेगिसी की बात करती हैं, साथ ही अलग होने के कारण होने वाले तनाव, चुनौतियों को बताती हैं। जीवन रुकता नहीं है, मेरी भी तलाक और एक समय के करीबी के जाने के बाद अपना जीवन समेट कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं। संपादन कला में महारत एडिटर के रूप में यदि हम उनके काम का विश्लेषण करें तो पाते हैं।*

ढ़ेर सारे कलाकार अनाम रह जाते हैं, जैसे गुफा चित्रों के कलाकार। कोई उपाय नहीं है, आज हमारे पास इनका नाम जानने का। जैसे, तमाम आदिवासी कलाकारों का नाम कोई नहीं जानता है। जरा-सा खोजेंगे तो आपको मुल्होलैंड ड्राइव के एडिटर का नाम पता चल जाएगा। चलिए, मैं ही बता देती हूं। इसके एडिटर का नाम है, मेरी स्विनी। डेविड लिंच का नाम आपने अवश्य सुना होगा, वही मुल्होलैंड ड्राइव फिल्म की प्रसिद्धि वाले। आप इस फिल्म की स्वप्न जैसी गुणवत्ता से अवश्य प्रभावित हुए होंगे। ऐसी क्वालिटी बिना कुशल एडिटर के नहीं आ सकती है। पर दर्शक को एडिटर के नाम से क्या मतलब, वह इसकी चिंता नहीं करता है। कला के साथ-साथ कलाकार का नाम जानना चाहिए। हां, ढ़ेर सारे कलाकार अनाम रह जाते हैं, जैसे गुफा चित्रों के कलाकार। कोई उपाय नहीं है, आज हमारे पास इनका नाम जानने का। जैसे, तमाम आदिवासी कलाकारों का नाम कोई नहीं जानता है। आज हमारे पास जानने की सुविधा है, पर कई कारणों से ये नाम अनजाने रहते हैं। सिनेमा के ग्राहक असीमित हैं, इससे जुड़े कलाकारों के नाम जान पाना आज कोई मुश्किल काम नहीं है। जरा-सा खोजेंगे तो आपको मुल्होलैंड ड्राइव के एडिटर का नाम पता चल जाएगा। चलिए, मैं ही बता देती हूं। इसके एडिटर का नाम है, मेरी स्विनी। उन्होंने अब तक 9 फिल्मों की एडिटिंग की है, 9 प्रड्यूस, 5 लिखीं एवं 2 निर्देशित की हैं। 3 फिल्मों का ध्वनि विभाग भी संभाला है। मेरी स्विनी ने मुल्होलैंड ड्राइव (2001) के अलावा ट्विन पीक्सः फायर वॉक विद मी (1990), द स्ट्रेट स्टोरी (1999), लॉस्ट हाईवे (1997), बाराबू (2009) की एडिटिंग की। साथ ही उन्होंने ट्विन पीक्स (1990), ऑन दि एयर (1992), होटेल रूम (1993) टीवी सीरियल के एक-एक एपिसोड और इन दि आई एबाइड्स द हार्ट (2006) लघु फिल्म की एडिटिंग भी की है। हर फिल्म की रेटिंग खूब ऊंची रही है। मेरी ने मुल्होलैंड ड्राइव, द स्ट्रेट स्टोरी, लॉस्ट हाईवे, ट्विन पीक्स तथा ट्विन पीक्सः फायर वॉक विद मी का लेखन भी किया। बाफ्टा पुरस्कार से नवाजी मेरी स्विनी ने डेविड लिंच के साथ कई फिल्मों में काम किया। दोनों 10 मई 2006 से लेकर 12 फरवरी 2007 तक पति-पत्नी रहे। उनका एक बेटा रैली लिंच है, वे लिंच के अन्य दो (ऑस्टिन जैक एवं जेनिफर) बच्चों की सौतेली मां (मुझे इस शब्द से तकलीफ होती है) हैं। दोनों के अलग होने पर खूब सनसनीखेज खबरें उड़ी। डेविड लिंच और मेरी स्विनी एक ओर वे इन खबरों से आहत थीं, दूसरी ओर उन्होंने अपना कार्य जारी रखा। उन्होंने तलाक के बाद बाराबू एवं इन दि आई एबाइड्स द हार्ट का निर्देशन किया। 15 जनवरी 2025 को जब डेविड लिंच की हृदयाघात से मृत्यु हुई, उसके बाद मेरी ने एक संवाद में डेविड के साथ अपने विकास, निजी एवं सृजनात्मक जीवन के बारे में बताया। यह संवाद वे उसी स्थान पेरिस होटल के एक कमरे में सात साल बाद कर रही थीं, जहां उन्होंने पहले भी लोगों से अपने जीवन और डेविड के साथ काम करने के अनुभव साझा किए थे। इस बार के संवाद में एक संवेदनशील व्यक्ति की भांति अपने एक समय के साथी के जाने का सोग था, शोक था, व्यथा थी। उन्होंने यह भबताया कि स्त्री के लिए जीवन नैया खेना कितना कठिन, कितना जटिल होता है। मेरी स्विनी इस संवाद में डेविड के साथ अपनी लेगिसी की बात करती हैं, साथ ही अलग होने के कारण होने वाले तनाव, चुनौतियों को बताती हैं। जीवन रुकता नहीं है, मेरी भी तलाक और एक समय के करीबी के जाने के बाद अपना जीवन समेट कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं। संपादन कला में महारत एडिटर के रूप में यदि हम उनके काम का विश्लेषण करें तो पाते हैं, उनके संपादन की वजह से दर्शक फिल्म की ओर भावात्मक रूप से आकर्षित होते हैं। वे फिल्म में काव्यात्मकता का सृजन करती हैं, फिल्म की लय, भावनाओं एवं कथात्मक आधिकारिकता बनाए रखती हैं। वे संपादन के वक्त स्क्रिप्ट के प्रति ईमानदार रहती हैं, मिथिकल तत्वों के प्रभाव को फिल्म में लाने का प्रयास करती हैं। साथ ही कथा के अंतर्प्रवाह को बरकरार रखती हैं। उन्हें परम्परागत तथा नवीनतम डिजिटल दोनों तरह की एडिटिंग की जानकारी है और वे दोनों तरह के संपादन का प्रयोग कर सकती हैं।

मोदी व नेता प्रतिपक्ष के बीच टकराव का साल

भले ही कोई जीते लेकिन 2026 टकराव का साल रहने वाला है। यह टक्कर प्रधानमंत्री मोदी और नेता प्रतिपक्ष के बीच देखने को मिलेगी। दरअसल 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों के साथ ही टकराव का जो दौर शुरू हुआ था, वह अब भारतीय राजनीति में एक सिलसिला बनता जा रहा है। राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक मोर्चे पर मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा होनी है, तो राहुल गांधी के लिए अपनी कांग्रेस पार्टी को संभालना चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है। 2026 में राहुल गांधी जन आंदोलन की सियासत करते दिख सकते हैं। इसमें जेन जी की भूमिका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। मोदी इसका तोड़ निकालने के लिए सालाना बजट में आाथ्र्थक सुधार को गति प्रदान कर सकते हैं। अमरीका से व्यापारिक समझौते पर सबकी नजरें होंगी। असम, बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुड्डुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा के नजरिए से देखा जाए तो उसे असम में फिर से जीतना है। केरल और तमिलनाडु में वह न तीन में है और न तेरह में। बंगाल में भाजपा अगर जीती तो चमत्कार होगा और विपक्ष की राजनीति को सदमा लगेगा। लेकिन अगर भाजपा 100 सीट पार करती है तो भी पीठ थपथपाने की अधिकारी होगी। उधर कांग्रेस को हर कीमत पर केरल में तो जीत हासिल करनी ही होगी। केरल के वायनाड से ही प्रियंका गांधी सांसद हैं और केरल की जीत प्रियंका गांधी के खाते में ही जाएगी। असम में कांग्रेस दुविधा में है कि उसे बदरुद्दीन अजमल के साथ जाना चाहिए या नहीं। पिछली बार कांग्रेस को भाजपा से सिर्फ 5 लाख वोट कम मिले थे। वैसे कांग्रेस एक चुनाव हाथ मिलाकर हार चुकी है और एक चुनाव अकेले लड़ कर भी हार चुकी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो विधानसभा चुनावों में बहुत भारी उलटफेर होता दिख नहीं रहा है। राहुल गांधी लेकिन गांव-गांव, पांव-पांव कार्यक्रम में भारत जोड़ो यात्रा का अक्स देख रहे हैं। मनरेगा का नाम बदल कर जी राम जी करने के खिलाफ 5 जनवरी से गांवों में धरने-प्रदर्शन का सिलसिला कांग्रेस शुरू करने जा रही है। राहुल गांधी को लगता है कि ग्रामीण जनता के सहयोग से इसे जन आंदोलन का रूप दिया जा सकता है और दिल्ली के किसान आंदोलन को दोहराया जा सकता है। अगर किसान वर्ग कांग्रेस के साथ जुड़ गया और विपक्ष ने भी अपना पूरा जोर लगाया तो सियासी खेल में नया रोमांच पैदा हो सकता है। शहरों का युवा और मध्यम वर्ग वैसे ही घटती बचत, बेरोजगारी आदि से परेशान है। यह वर्ग 2024 के लोकसभा चुनावों में अपना गुस्सा सामने ला भी चुका है। राजनीतिक मोर्चे को तो मोदी-अमित शाह की जोड़ी संभाल लेगी, पर आाथ्र्थक मोर्चा आंकड़ों के आधार पर फतह नहीं किया जा सकता। जिस देश में विकास दर 8.2 फीसदी हो, उस देश में डालर के मुकाबले रुपया इतना कमजोर क्यों है? उस देश में विदेशी पूंजी निवेश ठहर सा क्यों गया है? उस देश में जी.एस.टी. कलैक्शन स्थिर क्यों होता जा रहा है। उस देश में नौकरियों के मौके बढ़ क्यों नहीं रहे? उस देश में पूंजीपति बैंक में 5 से 6 लाख करोड़ रुपए क्यों रखे हुए हैं, नया उद्योग क्यों नहीं खोल रहे? इन सवालों के जवाब देश चाहता है लेकिन चुप्पी है। क्या यह बताया जाएगा कि ट्रम्प के साथ व्यापार की डील कहां अटकी हुई है और कब तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है? इन सवालों के जवाब मिल जाएं तो कार्पोरेट जगत भी तय कर पाएगा कि उसे कितना पैसा लगाना है, कहां लगाना है। चीन से आयात खतरनाक स्तर तक बढ़ता जा रहा है। भारतीय उद्योगपति पूछ रहे हैं कि आखिर कौन सा उद्योग खोलें जो चीन में नहीं हो। श्रम कानून, बीमा को पूरी तरह से खोलना, परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र की अनुमति आाथ्र्थक सुधारों की तरफ गंभीर इशारा कर रहे हैं लेकिन भारतीय उद्योग जगत का आत्मविश्वास अभी डगमगाया हुआ है। आर्थिक मोर्चा कहीं न कहीं देश के सामाजिक धार्मिक ताने-बाने से, कानून व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। इस बार क्रिसमस के मौके पर देश के आधा दर्जन राज्यों में करीब 2 दर्जन घटनाएं हुई हैं जो नहीं होनी चाहिए थीं। दुनिया के 200 देशों में से करीब 120 देश ईसाई धर्म को मानते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में अमीर लोकतांत्रिक देश हैं। अगर माहौल ऐसा विषैला रहेगा तो कौन पूंजी लगाने आएगा? कौन कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के साथ खड़ा नजर आएगा? मुस्लिम बहुल दुनिया में 50 देश हैं जिनकी नाराजगी भारी पड़ सकती है। अगर हर नीति-रणनीति चुनाव को मद्देनजर रख कर बनेगी तो बुनियादी मुद्दों का क्या होगा?कांग्रेस कमजोर है, विपक्ष बिखरा है, संघ बैकफुट पर है, एन.डी.ए. के साथी दल अपने-अपने राज्यों में उलझे हुए हैं, संगठन और सरकार में कोई चुनौती देने वाला नहीं है, लोकप्रियता बरकरार है। यानी सब कुछ मोदी के पक्ष में है। इस मजबूत नींव पर भविष्य की इमारत खड़ी करने का सुनहरा मौका है। हुड़दंगियों पर काबू करना बाएं हाथ का खेल है। संगठन में बदलाव और सरकार में फेरबदल क्या पहला कदम होगा? उसके बाद नए सिरे से मोदी सरकार जनता के बीच दिखेगी, जिसमें नौजवान चेहरे होंगे, नई योजनाएं होंगी और नया कोई नारा होगा। प्रियंका गांधी और मोदी साथ-साथ चाय पी चुके हैं। नए साल में चाय की चुस्कियों का दौर चलता है या चाय के प्याले में तूफान उठता है, देखना दिलचस्प रहेगा।

2026 शायद हमें भूत और भविष्य, दोनों की सैर कराएगा

एन. रघुरामन

हममें से किसी ने भी बॉलीवुड या हॉलीवुड की किसी फिल्म में शायद ऐसा नहीं देखा होगा कि किसी कैदी को ड्रोन के जरिए सेल से उठाकर बाहर निकाल लिया गया हो। हां, कुछ एक्शन मूवीज में जरूर ड्रोन्स को भाग निकलने या रेस्क्यू ऑपरेशन का अहम हिस्सा बताया गया है। 2026 में यह हकीकत बन सकता है। यूके के प्रिजन गवर्नर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष टॉम व्हीटली ने इसी हफ्ते चेतावनी दी है कि सच में जल्द ही ऐसा हो सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि 100 किलोग्राम तक वजन उठा सकने वाले कृषि कार्यों के लिए बने ड्रोन्स किसी इंसान का वजन उठा सकते हैं। इनके जरिए कैदी जेल से भाग सकते हैं।डीजेआई का एग्रास टी100 ड्रोन ट्रांसपोर्ट करने के लिए आसानी से तोड़ा जा सकता है, फिर दोबारा जोड़कर जल्दी चार्ज भी किया जा सकता है। व्हीटली के मुताबिक चूंकि बड़े गिरोहों के पास काफी पैसा होता है, इसलिए संगठित गिरोह 20 हजार पाउंड खर्च कर ऐसे ड्रोन ले सकते हैं।उन्होंने चेताया कि लॉजिस्टिक तौर पर यह खतरा अब सामने है। वजह है कि जेलों में ड्रोन डिलीवरी तकनीकी तौर पर इतनी एडवांस हो गई है कि अब यह लगभग उबर ईट्सश जैसी ही है। जेल अधिकारी भी मानते हैं कि कैदी केन्द्रीकृत स्रोत पर ऑर्डर देता है और लोकल ड्रोन ऑपरेटर डिलीवरी कर देता है। 2024 और 2025 के आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में जेलों के आसपास ड्रोन दिखने और प्रतिबंधित सामान गिराने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ अब ड्रोन को जेलों की सुरक्षा के लिए प्राथमिक खतरा मान रहे हैं। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में ड्रोन से जुड़ी 1,712 घटनाएं दर्ज हुईं। यह पिछले साल के मुकाबले 43ः ज्यादा और 2021 से करीब 1000ः की भारी बढ़ोतरी है। अमेरिका में भी 479 ड्रोन घटनाएं दर्ज की गईं। जेल अधिकारियों का कहना है कि जेलों में ड्रोन डिलीवरी का पूरा इकोसिस्टम बेहद एडवांस्ड है, जो यूके में कमर्शियल ड्रोन गतिविधियों से कहीं आगे निकल चुका है। जब तकनीक हमें आगे ले जाने और ऐसा कुछ दिखाने की कोशिश कर रही है, जो आज मौजूद ही नहीं है- उसी वक्त फूड इन्फ्लुएंसर्स हमें जानबूझकर 150 साल पीछे ले जाकर दिखा रहे हैं कि उस दौर के प्रभावशाली लोग क्या खाते थे। उन्हें क्या पसंद था, वो डिशेज कैसे बनती थीं और आज हम कैसे उनका स्वाद ले सकते हैं। वे इन डिशेज को सिर्फ हेल्दी ही नहीं, बल्कि संजोने लायक इतिहास बता रहे हैं। डॉनी डॉडसन ऐसे ही लोगों में से एक हैं, जिन्होंने करीब 18 महीने पहले 1776 की डिश होकेक्स बनाना शुरू किया। यह शहद और मक्खन में लिपटा कॉर्नमील पैनकेक होता है। अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन को यह काफी पसंद था। डॉडसन के वीडियो को 1.6 मिलियन व्यूज मिले और आज डॉडसन के पास उस दौर के करीब 200 वीडियो हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर अपनी सीरीज पूरी की और फिर प्राचीन मिस्र से लेकर विक्टोरियन इंग्लैंड तक की ऐतिहासिक रेसिपीज बनाने लगे। मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फास्ट फूड प्रेम पर उन्होंने कहा कि यह हमारे सांस्कृतिक पतन का संकेत है। वे रेस्टोरेंट्स और किचन में काम करने वाले उस छोटे समूह का हिस्सा हैं, जो भूली-बिसरी रेसिपीज को दोबारा जिंदा कर रहा है। क्योंकि हमारी जिंदगी में कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जो पीढ़ियों तक नहीं बदलतीं। उनमें से एक है खाना। इसीलिए यह आपके और मेरे जैसे लोगों को आकर्षित करता है। मेरे पास मीनाक्षी अम्मल की कुक एंड सी शीर्षक वाली किताबों के कुछ वॉल्यूम हैं। 1951 में जब ये किताबें प्रकाशित हुईं तो उनकी उम्र 45 साल थी। इसमें उन्होंने 1900 से पहले हमारे दादा-पड़दादा के जमाने में बनाई जाने वाली रेसिपीज लिखी थीं। अचंभे की बात नहीं कि उनकी किताब न सिर्फ 2000 के बाद लोकप्रिय हुई, बल्कि आज भी अमेरिकी विश्वविद्यालयों में गाइड के तौर पर इस्तेमाल की जाती है।

जितनी मर्जी सफाई करें, पुरानी किताबों को खुद से दूर न कीजिए; इनसे बदलती है सोच

नए साल पर अगर आपने घर की सफाई का रेजॉल्यूशन लिया है, तो जितनी मर्जी सफाई करें, लेकिन पुरानी किताबों को खुद से दूर न कीजिए। जब आप किसी को कोई किताब सुझाते हैं, तो वह किताब संदेश ले जाने वाली एक दूत बन जाती है, जो उन लोगों के सोचने का तरीका बदल सकती है। बेशक किताबें कितनी ही जगह घेरती हों, कितनी ही धूल की परतें उन पर क्यों न चढ़ी हों, उनको खुद से दूर न कीजिए। आपके पास मौजूद हर किताब एक कहानी है कि आप किताब खरीदने से पहले कौन थे और उसे पढ़ने के बाद क्या हो गए। किताबें घर जैसी होती हैं। जैसे एक बार रहना शुरू करने पर आप घर का हिस्सा हो जाते हैं, वैसे ही आप किताबों से जुड़ते हैं, और फिर उसका एक हिस्सा हो जाते हैं। मैंने कई किताबें पढ़ीं और मुझे पता है कि मैं उनके बारे में क्या सोचता हूं, लेकिन क्या कभी किताबें भी मेरे बारे में कुछ सोचती होंगी? शायद वे मुझे नासमझ समझती हों, या एक मासूम इन्सान, या फिर एक कोरा कागज? शायद उन्हें मैं ऐसा व्यक्ति लगता होऊंगा, जिसके विचार गलत हों या फिर जिसके कोई विचार ही न हों। कई बार मुझे ऐसा लगा कि जैसे मेरी किताबें मुझसे हंसी-मजाक में बात करती हों। सच तो यह है कि हम किताबों को पढ़ते हैं और किताबें हमें। किताबें हमें माफ करना भी सिखाती हैं। नई किताबें ऑडिशन के लिए आए नए कलाकारों की तरह चमकती हैं, लेकिन वक्त के साथ उनके कवर और शीर्षक फीके पड़ जाते हैं, पन्ने मुड़ जाते हैं और वे भी पुरानी किताबों की तरह बेजान-सी लगने लगती हैं। जब मैं यूनिवर्सिटी परीक्षा की तैयारी कर रहा था, तो मैंने ब्लीक हाउस को इप्सविच और मैसाचुसेट्स के समुद्र तटों पर बैठकर पढ़ा था। आज भी उसके पन्नों में रेत के कण महसूस किए जा सकते हैं। और मेरी अलमारी में रखी वह फटी-पुरानी किताब चाइल्डक्राफ्ट, मेरे माता-पिता के घर से आई थी। यह वही बच्चों की किताब थी, जिसे मेरी मां पढ़कर मुझे सुनाया करती थीं। अलमारी से गायब किताबों की बात तो छोड़ ही दीजिए, उन किताबों की वजह से बनी खाली जगहों की बात करते हैं, जो मजबूरी में मेहमानों को दी गईं और उन्होंने फिर कभी वापस नहीं की। क्या यह संभव है कि कोई आपसे किताब उधार मांगे और आप मना कर दें? काश! किताबें वापस पाने के लिए कोई फिरौती तय होती। अनातोले फ्रांस ने मजाक में कहा था कि उनकी लाइब्रेरी में सिर्फ वही किताबें थीं, जो दूसरों ने उन्हें उधार दी थीं। जब आप किसी को कोई किताब सुझाते हैं, तो वह किताब संदेश ले जाने वाली एक दूत बन जाती है। वह उन लोगों के सोचने का तरीका बदल सकती है, जिनके बारे में आपको कभी पता भी नहीं चलेगा। और कौन जाने, वे लोग उस नए ज्ञान का इस्तेमाल किस तरह करेंगे! हेनरी डेविड थोरो, ऑस्कर वाइल्ड, एजरा पाउंड-इन तीनों ने जेल में लिखा या लिखने के लिए प्रेरित हुए। उनकी लिखाई में जो विचार थे, वही उनके बाहर निकलने का रास्ता बने। इसी तरह जहां जेल से मीन काम्फ किताब लिखकर हिटलर ने दुनिया को लगभग तबाह कर दिया था। वहीं दूसरी ओर, नेल्सन मंडेला ने जेल से किताब लिखकर दुनिया को तबाही से लगभग बचा लिया। किताबें मेरी शिक्षक भी हैं और मित्र भी। वह मुझसे ज्यादा जानती हैं, और लंबे समय में मेरा भला चाहती हैं। मैं उन्हें नहीं छोड़ सकता-जैसे किसी पुराने दोस्त को अचानक नहीं छोड़ा जा सकता। पड़ोसियों की तरह मेरी अलमारियों पर रखी किताबें भी अपने दरवाजे पर खड़ी होकर हमेशा मेरा स्वागत करती हैं। कभी-कभी मैं सोचता हूं कि रात के सन्नाटे में, जब घर में अंधेरा होता है और मैं सो रहा होता हूं, तो क्या वे आपस में फुसफुसाती होंगी? क्या वे मेरे बारे में बातें करती होंगी?

सरफराज की तूफानी शतकीय पारी के फैन हुए अश्विन

नई दिल्ली। सरफराज खान अपने जबरदस्त घरेलू प्रदर्शन से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। रविचंद्रन अश्विन ने उनके फॉर्म की तारीफ करते हुए सीएसके को आईपीएल 2026 में उन्हें प्लेइंग-11 में शामिल करने की सलाह दी है। आंकड़े और मौजूदा लय को देखते हुए सरफराज चेन्नई के लिए बड़ा हथियार बन सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में सरफराज खान इस समय शानदार लय में नजर आ रहे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 75 गेंदों में 157 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें नौ चौके और 14 छक्के शामिल रहे। सरफराज ने महज 56 गेंदों में अपना शतक पूरा कर यह दिखा दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में कितने खतरनाक बल्लेबाज बन चुके हैं। अश्विन ने गिनाए सरफराज के आंकड़े टीम इंडिया के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सरफराज के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की है।

मां की दूसरी शादी पर फरहाना भट्ट ने किया खुलासा

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ बयान

बिग बॉस 19 खत्म हुए लगभग एक महीना हो चुका है, लेकिन शो की रनरअप फरहाना भट्ट अभी भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो से बाहर आने के बाद फरहाना लगातार इंटरव्यू दे रही हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे कर रही हैं। अपने बेबाक और साफ-सुथरे अंदाज के लिए जानी जाने वाली फरहाना हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं, चाहे वह उनकी प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल। फरहाना भट्ट बिग बॉस 19 की रनरअप रही थीं। आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष किया है। शो के दौरान भी उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई भावुक किस्से साझा किए थे, जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। बिग बॉस के घर में फरहाना ने बताया था कि जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके पिता ने उनकी मां को तलाक दे दिया था। इसके बाद फरहाना का अपने पिता से कभी कोई संपर्क नहीं रहा और उनकी परवरिश पूरी तरह से मां ने ही की। हाल ही में फिल्मी विंडो को दिए एक इंटरव्यू में फरहाना ने अपनी मां के तलाक और दूसरी शादी को लेकर खुलकर बात की। फरहाना ने बताया कि जब वह बड़ी हुईं और समझदार हुईं, तब उन्होंने एक-दो बार अपनी मां से कहा था कि उन्हें दोबारा शादी कर लेनी चाहिए। हालांकि, उनकी मां ने इस बात से साफ इनकार कर दिया। फरहाना ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा था कि वह अब एक सुकून भरी जिंदगी जीना चाहती हैं। मां ने उनसे कहा, ह्लतुम मुझे फिर उसी अंधेरे में क्यों धकेलना चाहती हो, जिससे मैं बहुत मुश्किल से बाहर निकली हूं।ह्व फरहाना के मुताबिक, तलाक के बाद उनकी मां का शादी और रिश्तों से भरोसा पूरी तरह उठ चुका है। वह किसी नए रिश्ते में बंधने से डरती हैं और अकेले, लेकिन सुकून के साथ जिंदगी जीना पसंद करती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि पिछले 10-12 सालों से उन्होंने अपनी मां से शादी को लेकर कोई बात नहीं की है। इसकी वजह बताते हुए फरहाना ने कहा कि उन्हें डर था कि कहीं उनकी मां को यह न लगे कि वह उनसे पीछा छुड़ाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मां के मन में गलतफहमियां या नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं, इसलिए उन्होंने इस विषय को खुद ही छोड़ दिया। फरहाना का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी सोच और मां के प्रति उनके सम्मान की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

न्यू ईयर 2026 पर ईशा देओल को सताई अपने पापा की याद, खास पोस्ट किया शेयर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने न्यू ईयर 2026 के मौके पर अपने दिवंगत पिता और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर की है। ईशा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस पोस्ट

पर उनके भाई बॉबी देओल ने भी रिएक्ट किया, जिससे यह पल और भी खास बन गया। ईशा देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह आसमान की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं और बैकग्राउंड में चांद भी दिखाई दे रहा है। एक तस्वीर पर ईशा ने लिखा, लव यू पापा३, जिसने फैंस को भावुक कर दिया। इसके साथ ही पोस्ट के कैप्शन में ईशा ने लिखा, खुश, धन्य और मजबूत रहो। आप सभी को बहुत-बहुत प्यार। तस्वीरों में ईशा ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं और उन्होंने सिर पर हैपी न्यू ईयर लिखा हुआ क्राउन पहना हुआ है। जैसे ही ईशा ने यह पोस्ट शेयर की, उनके भाई और धर्मेंद्र के छोटे बेटे बॉबी देओल ने कमेंट बॉक्स में हार्ट इमोजी शेयर कर अपना प्यार और समर्थन जताया। गौरतलब है कि न्यू ईयर 2026 के मौके पर 1 जनवरी को धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह था और सोशल मीडिया पर इसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म इक्कीस में धर्मेंद्र के साथ अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया और जयदीप अहलावत अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। बता दें कि साल 2025 में बॉलीवुड ने धर्मेंद्र जैसे सुपरस्टार को खो दिया था। 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में अभिनेता का निधन हो गया था, जिसके बाद पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई थी।

करीना कपूर ने नई पॉजिटिविटी के साथ 2026 में रखा कदम, 2025 को बताया मुश्किल साल

कहा–हम बहुत रोए

नए साल 2026 की शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक सोशल मीडिया पर पुराने साल के अपने एक्सपीरियंस के साथ नए साल में एक नई उर्जा और नए जुनून के साथ एंट्री करने की बात करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि साल 2025 उनकी पूरी फैमिली के लिए बेहद मुश्किल रहा। इसके साथ ही उन्होंने 2026 में नई पॉजिटिविटी के साथ कदम रखने की बात की। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पति सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर करते लिए कैप्शन में लिखा-जैसे ही हम बैठकर इस बात पर सोचते हैं कि हम साल के आखिरी दिन तक पहुंच गए हैं। हम इतनी दूर तक आ गए हैं। 2025 हमारे, हमारे बच्चों और हमारे परिवारों के लिए एक मुश्किल साल रहा है, लेकिन हम सिर ऊंचा करके, हंसते हुए और हिम्मत बनाए रखकर इससे गुजरे।

आगे उन्होंने लिखा, हम बहुत रोए, हमने प्रार्थना की और अब हम यहां हैं। 2025 ने हमें सिखाया कि इंसान का स्वभाव निडर होता है, प्यार सब पर जीत हासिल करता है और बच्चे हमारी सोच से ज्यादा बहादुर होते हैं। हम अपने फैंस, अपने दोस्तों और उन सभी को धन्यवाद करना चाहते हैं, जो हमारे साथ रहे और हमारा साथ देते रहे और उनसे ऊपर भगवान को। हम 2026 में अपने अंदर एक नई आग, बहुत ज्यादा आभार और पॉजिटिविटी और जो हम सबसे अच्छा करते हैं, उसके लिए कभी न खत्म होने वाले जुनून के साथ कदम रख रहे हैं... फिल्में...जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, चढ़दी कला। सभी को नया साल मुबारक हो। बता दें, साल 2025 में करीना कपूर के लिए जो सबसे डरावनी चीज थी, वो थी उनके पति सैफ अली खान पर उनके घर में जो हमला हुआ था। चोरों ने एक्टर ने तेजधार हथियार से हमला किया था, जिसके कारण वह 10 दिनों तक अस्पताल में एडमिट रहे थे और फिर धीरे-धीरे इस जख्म से रिकवर हुए थे।

नए साल 2026 में अनुपम खेर ने लिया नया संकल्प, कहा-खुद का बोझ हल्का रखने की कोशिश करूंगा

नए साल 2026 की शुरूआत हो चुकी हैं। ऐसे में रात 12 बजे से ही पूरी दुनिया न्यू ईयर सेलिब्रेशन में डूबी नजर आ रही है। कोई अपनी फैमिली संग नाच-गाकर नए साल का जश्न मना रहा है तो कोई भगवान के दरबार जाकर खुशियां मांग रहा है। ऐसे में बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने नए साल पर नया संकल्प लिया है। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इस साल क्या करने वाले हैं। अनुपम खेर ने अपने श्एक्सश हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने गरीबों की मदद से लेकर दुनिया के बोझ को अपने कंधों पर न उठाने का संकल्प लिया है। वीडियो में वे कहते हैं, जिंदगी के हर गुजरते साल में कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है और मैंने साल 2025 से जो सीखा है और साल 2026 में जो चीजें लागू करूंगा, वो ये छोटी-छोटी चीजें हैं। हर गुजरा हुआ साल कुछ न कुछ सीखा कर जाता है। और जो सीख हमें मिलती है ! अगर हम उसे नये साल में लागू करें तो अच्छा होगा भी और शायद लगेगा भी। तो मैंने जो 2025 में सीखा, इसे मैं 2026 मैं अपनी जिंदगी में लागू करना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं खुद का बोझ हल्का रखने की कोशिश करूंगा। गरीबों की मदद करने, सब्जी या फेरी वाले से मोल भाव न करने की बात कही और कहा कि ज्यादा पैसे देने से कुछ नहीं होगा, शायद उन्हें अपने बच्चों की फीस भरने में मदद मिल सकती है। इसके सात ही एक्टर ने गलत लोगों के सुधारने की जिम्मेदारी खुद पर न लेने की बात की है। वीडियो के कैप्शन में एक्टर ने लिखा, ष्हर गुजरा हुआ साल कुछ न कुछ सीखा कर जाता है और जो सीख हमें मिलती है, अगर हम उसे नए साल में लागू करें तो अच्छा होगा भी और शायद लगेगा भी। तो मैंने जो 2025 में सीखा, इसे मैं 2026 में अपनी जिंदगी में लागू करना चाहूंगा। आगे उन्होंने लिखा, इनमें से कुछ बातें शायद आपको भी महसूस हों और आपके काम भी आएं। आप सबको नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु आपके जीवन को सुखमय एवं शांतिपूर्वक रखें। आप अपने लिए, अपने परिवार के लिए, समाज के लिए और देश के लिए अच्छा सोचें और अच्छा करें। अनुपम खेर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है और फैंस उनके इस पोस्ट पर कमेंट कर सहमति जताते भी नजर आ रहे हैं।

'पंचायत 5' से लेकर 'तस्करी' तक, 2026 में धूम मचाएंगी ये बड़ी वेब सीरीज

साल 2026 दस्तक देने के लिए तैयार है। सिनेमा प्रेमियों के लिए साल 2026 बहुत अच्छा होने वाला है। इसकी वजह है कि अगले साल कई बेहतरीन वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं। कुछ वेब सीरीज के अगले सीजन रिलीज होने वाले हैं। आइए जानते हैं नए साल में कौन सी वेब सीरीज या सीरीज के नए सीजन रिलीज होने वाले हैं? तस्करीः द स्मगलर्स वेब क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'तस्करीः द स्मगलर्स वेब' में इमरान हाशमी ने एक कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें वह

अंतरराष्ट्रीय तस्करी के काले नेटवर्क का पदार्फाश करते दिखेंगे। दर्शक बेसब्री से इस सीरीज का इंतजार कर रहे हैं। यह 14 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली है। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' सीजन 2 भारत के विभाजन, स्वतंत्रता और राजनीति पर आधारित वेब सीरीज 'फ्रीडम एट मिडनाइट' को दर्शकों ने खूब सराहा। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस वेब सीरीज में सिद्धांत गुप्ता, चिराग वोहरा जैसे कलाकार नजर आए। इसका पहला सीजन 15 नवंबर 2024 को रिलीज हुआ था। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' सीजन 2, 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगा। 'हीरामंडी' सीजन 2 संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के पहले सीजन को दर्शकों से खूब प्यार मिला। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे कलाकार नजर आए। इसका पहला सीजन मई 2024 में रिलीज हुआ था। खबरों के मुताबिक 'हीरामंडी' का सीजन 2 साल 2026 या 2027 में रिलीज हो सकता है। 'गुल्लक' सीजन 5 मध्यवर्गीय परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित सीरीज 'गुल्लक' के सभी सीजन को दर्शकों ने खूब सराहा। 'गुल्लक' सीजन 1 साल 2019 में, सीजन 2 साल 2021 में, सीजन 3 साल 2022 में और सीजन 4 साल 2024 में रिलीज हुआ। सीरीज का 5वां सीजन साल 2026 में रिलीज हो सकता है। 'पंचायत' सीजन 5 गांव के माहौल पर आधारित वेब सीरीज 'पंचायत' की सभी सीरीज ने दर्शकों का मनोरंजन किया है। दर्शकों ने इस सीरीज में सभी कलाकारों का अभिनय और सीरीज की कहानी को पसंद किया है। 'पंचायत' सीजन 1 साल 2020 में, सीजन 2 साल 2022 में, सीजन 3 साल 2024 में, सीजन 4 साल 2025 में रिलीज हुआ था। 'पंचायत' सीरीज का अगला सीजन 2026 में रिलीज हो सकता है।

नए साल में प्रभास का फैंस को तोहफा; रिलीज हुआ 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर, साथ दिखी तृप्ति डिमरी

प्रभास की आगामी फिल्म 'स्पिरिट' के निमार्ताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और प्रभास ने साल 2026 के पहले ही दिन अपने फैंस को तोहफा दे डाला। दोनों ने 1 जनवरी 2026 को देर रात

अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर जारी किया। इसमें प्रभास और तृप्ति डिमरी का पहला लुक देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। यह इस फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर है। संदीप रेड्डी वांगा का पोस्ट निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'भारतीय सिनेमा। अपने अखअठवइअल्वउ्र / अखअठवइअल्व को देखें।' 'स्पिरिट' के इस पोस्टर के साथ संदीप ने सभी को 2026 की शुभकामनाएं भी दीं।' पोस्टर में क्या है खास पोस्टर में खिड़की के पास घायल अवस्था में बिना शर्ट के प्रभास दिखाई दे रहे हैं, जबकि तृप्ति डिमरी उनकी सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं। प्रभास ने ऑफ-व्हाइट पैंट और काले चश्मे पहने हैं, जबकि तृप्ति देसी लुक में नजर आ रही हैं। फिल्म 'स्पिरिट' का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास और तृप्ति मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि प्रकाश राज, विवेक ओबेरॉय और कंचना सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। कथित तौर पर इस फिल्म में कोरियाई अभिनेता डॉन ली के भी शामिल होने की खबर है, हालांकि निमार्ताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

टी20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान कमिंस की वापसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए स्पिनरों से भरपूर टीम का एलान किया है, जिसमें पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की वापसी हुई है। वहीं, पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। टीम का फोकस श्रीलंका और भारत की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर संतुलन बनाने पर रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी अस्थायी (प्रोविजनल) टीम का एलान कर दिया है। इस टीम में तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की वापसी हुई है, जबकि पंजाब किंग्स (ढइडर) के लिए खेलने वाले ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली। चयनकर्ताओं ने इस बार स्पिन को खास तवज्जो देते हुए संतुलित स्क्वॉड चुना है। एशेज में चोटों से जूझे कमिंस-हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा था, जब टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल हो गए थे। कमिंस लोअर बैक की समस्या के कारण पांच में से सिर्फ एक टेस्ट (एडिलेड) ही खेल पाए थे, जबकि हेजलवुड एचिलीज इंजरी के चलते पूरी सीरीज से बाहर रहे। अब दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार हुआ है

एपस्टीन केस में 52 लाख से ज्यादा दस्तावेजों की समीक्षा

न्याय विभाग ने लगाए 400 से ज्यादा वकील

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जेफरी एप्स्टीन से जुड़ी अन्य फाइलों को जारी होने और वक्त लग सकता है। अमरेकी न्याय विभाग ने साफ किया है कि 20 या 21 जनवरी से पहले नए दस्तावेज जारी होने की संभावना कम है। इससे पहले तय की गई 19 दिसंबर की समयसीमा अब निकल चुकी है। बता दें कि विभाग ने 52 लाख से ज्यादा दस्तावेजों की समीक्षा के लिए 400 से ज्यादा वकील काम पर लगाए हैं। अमेरिका का अमेरिकी न्याय कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एप्सटीन से जुड़े मामलों के 52 लाख (5.2 मिलियन) से ज्यादा दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है। यह समीक्षा कांग्रेस के उस कानून के तहत की जा रही है, जिसमें एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया है। इस काम के लिए न्याय विभाग ने 400 से ज्यादा वकीलों को लगाया है। हालांकि, न्याय विभाग ने साफ किया है कि 20 या 21 जनवरी से पहले नए दस्तावेज जारी होने की संभावना कम है। इससे पहले तय की गई 19 दिसंबर की समयसीमा अब निकल चुकी है। क्यों हो रही है देरी? न्याय विभाग का कहना है कि दस्तावेजों में मौजूद पीड़ितों की पहचान और निजी जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी जानकारी छिपाने में समय लग रहा है। डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि यह एक ऑल हैंड्स ऑन डेक यानी पूरी ताकत से की जा रही समीक्षा है। इसमें न्याय विभाग, एफबीआई, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के अभियोजन कार्यालय शामिल हैं। अटॉर्नी जनरल पर बढ़ा राजनीतिक दबाव अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी पर अब कांग्रेस का दबाव बढ़ रहा है। रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने यहां तक कह दिया कि क्या बॉन्डी पर महाभियोग चलाया जाना चाहिए। वहीं डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने आरोप लगाया कि न्याय विभाग ने शुरूआत से ही अमेरिकी जनता को गुमराह किया है और अब तक जारी दस्तावेज कुल फाइलों का बहुत छोटा हिस्सा हैं। आगे क्या होने की उम्मीद? डेमोक्रेट सांसद रो खन्नाने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और वे न्याय विभाग को कुछ और हफ्ते का समय देने को तैयार हैं, बशर्ते पीड़ितों के वे बयान जारी हों, जो उन्होंने एफबीआई को दिए थे, उन अमीर और ताकतवर लोगों के नाम सामने आएं, जो इस अपराध में शामिल थे या जिन्होंने इसे छिपाया। एपस्टीन और उसके साथियों पर गिराए गए आरोपों से जुड़े अभियोजन नोट्स सामने आएं। उनका कहना है कि 'जब पूरी सच्चाई सामने आएगी, तो यह देश की अंतरात्मा को झकझोर देगी।' मिडटर्म चुनावों पर असर क्यों अहम? यह मामला अमेरिका के आगामी मिडटर्म चुनावों में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है।

ईरान में सड़कों पर अवाम, सरकारी इमारतों में तोड़फोड़ की कोशिश

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में विरोध प्रदर्शन कई शहरों में फैल गया है। साल 2022 में ईरान में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद एक बार फिर ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। आर्थिक संकट

और बढ़ती महंगाई के चलते लोगों को गुस्सा फूट पड़ा है। ईरान में आर्थिक संकट गहराने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और देश के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ईरान में विरोध प्रदर्शन का चौथा दिन है और अब ये लगातार व्यापक हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई सड़कों को ब्लॉक कर दिया है। राजधानी तेहरान में भी हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर गए हैं। तेहरान से शुरू हुआ प्रदर्शन देश के कई शहरों में फैला बढ़ती महंगाई और ईरान की मुद्रा के पतन के चलते हजारों लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और अब यह विरोध प्रदर्शन देश के कई शहरों में फैल गया है। इस प्रदर्शन की शुरूआत तेहरान के ग्रैंड बाजार के दुकानदारों से हुई, जो धीरे धीरे देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। अब ये विरोध प्रदर्शन विश्वविद्यालयों तक फैल गया है। छात्र सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने ईरान के निर्वासित राजा रजा पहलवी के समर्थन में भी नारेबाजी की। कई जगहों पर हिंसा हुई है और पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकारी इमारतों में भी प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की कोशिश की। ईरान की मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर ईरान की मुद्रा रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरकर इतिहास के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए ईरान के लोगों को 14 लाख रियाल खर्च करने पड़ रहे हैं। इसके चलते ईरान में आयात बेहद महंगा हो गया है और महंगाई नियंत्रण से बाहर हो गई है। ईरान पहले ही अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते आर्थिक संकट से घिरा हुआ है। क्षेत्रीय तनाव ने उसकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। रोजमर्रा की चीजें महंगी होने से आम लोगों में भारी गुस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की सरकार नए साल में लोगों पर टैक्स बढ़ाने की योजना बना रही है। पहले से ही महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रहे लोगों में टैक्स बढ़ने की खबरों से गुस्सा भड़क गया है।

क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंकवाद पर भारत के साथ सहयोग बढ़ाने को तैयार ईरान

चाबहार को बताया अहम स्तंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने भारत के साथ क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई है। ईरानी राजदूत मोहम्मद फथअली ने चाबहार बंदरगाह को क्षेत्रीय संपर्क का अहम स्तंभ बताया। ईरान ने भारत के साथ क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई है। भारत में ईरान के नवनियुक्त राजदूत मोहम्मद फथअली ने कहा कि दोनों देश स्वतंत्र नीतियों और राष्ट्रीय हितों का सम्मान करते हुए चरमपंथी हिंसा के खिलाफ अपने अनुभव साझा कर सकते हैं। राजदूत फथअली ने कहा कि भारत और

ईरान के रिश्तों में आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता से निपटना प्रमुख सहयोग क्षेत्रों में शामिल है। उन्होंने भारत की उभरती तकनीकी क्षमता, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कूटनीति की भी सराहना की और कहा कि इन क्षेत्रों में साझेदारी की अपार संभावनाएं हैं। चाबहार परियोजना को बताया अहम स्तंभ ईरानी राजदूत ने कहा कि चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत-ईरान सहयोग का ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में संपर्क और व्यापार को बढ़ाने का अहम आधार है। यह परियोजना मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच को मजबूत करती है और क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान देती है। आतंकवाद के खिलाफ साझा संघर्ष फथअली ने बताया कि ईरान लंबे समय से आतंकवाद का शिकार रहा है और इस लड़ाई में उसने अपने कई शीर्ष सैन्य कमांडर और जवान खोए हैं। उन्होंने मई में भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों और पश्चिम एशिया में ईरान के सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि यह संघर्ष दोनों देशों की साझा चिंता है। विशेषज्ञता साझा करने की पेशकश ईरानी राजदूत ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में ईरान ने महत्वपूर्ण विशेषज्ञता विकसित की है, जिसे वह भारत जैसे मित्र देशों के साथ साझा करना चाहता है। डॉ. इराज इलाही के उत्तराधिकारी के रूप में पद संभालने वाले फथअली ने भरोसा दिलाया कि वह भारत के साथ राजनीतिक संवाद की निरंतरता, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा, उभरती तकनीकों और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आगे बढ़ाने पर काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि टिकाऊ वित्तीय व्यवस्थाओं और दोनों देशों के कारोबारी समुदायों के बीच सीधे संपर्क से व्यापारिक बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

कनाडा में उड़ान भरने से पहले एअर इंडिया के पायलट ने पी शराब, हिरासत में लिया गया; दिल्ली आनी थी फ्लाइट

वैंकूवर (एजेंसी)। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, '23 दिसंबर, 2025 को वैंकूवर से दिल्ली जाने वाली उड़ान में अंतिम समय में देरी हुई क्योंकि कॉकपिट क्रू के एक सदस्य को उड़ान से पहले विमान से उतार दिया गया था। कनाडाई अधिकारियों ने पायलट की ड्यूटी के लिए उपयुक्तता पर चिंता जताई, जिसके बाद क्रू सदस्य को आगे की पूछताछ के लिए ले जाया गया।' कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पायलट को नशे की हालत में हिरासत में

लिया गया। 23 दिसंबर, 2025 को वैंकूवर-दिल्ली (वियना होते हुए) उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एक पायलट को जश्न मनाना भारी पड़ गया। पायलट को मुंह से शराब की गंध आने के बाद हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैंकूवर के एक ड्यूटी फ्री स्टोर की कर्मचारी ने पायलट को त्योहार के मौके पर दी जा रही शराब पीते हुए देखा। दावा किया गया है कि शराब की बोतल खरीदते समय पायलट के मुंह से शराब की गंध आई थी। कर्मचारी ने पायलट की सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी। वियना में फ्लाइट में सवार हुई नई पायलट की टीम कनाडाई अधिकारियों ने पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया, जिसमें वे फेल हो गए। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एअर इंडिया ने तुरंत एक वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की। चार पायलटों या दो टीमों वाली ये उड़ान दो घंटे की देरी से रवाना हुई। विमान के वियना में उतरने के बाद यहां से चालक दल की एक अन्य टीम ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

बांग्लादेश के दावे की पोल खुली, दुबई में है कथित आरोपी फैसल; भारत में होने का किया था दावा

ढाका (एजेंसी)। उस्मान हादी की हत्या को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दावों की पोल खुल गई है। बांग्लादेश जिन हत्यारोपियों के भारत भागने की बात कह रहा था, उनमें से एक फैसल नामक का शख्स सामने आया है और उसने खुद को दुबई में बताया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार एक बार फिर से बेनकाब हो गई है। उस्मान हादी की हत्या में शामिल आरोपियों के भारत में होने का दावा करने वाली यूनुस सरकार का झूठ दुनिया के सामने आ गया है। बांग्लादेश ने हादी की हत्या के मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद के भारत में होने की बात कही है। अब आरोपी फैसल

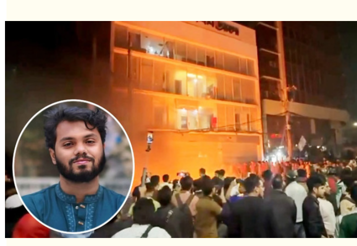

करीम मसूद ने वीडियो जारी कर बताया है कि वह दुबई में है। हादी की हत्या के मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि वह इस वक्त दुबई में है। साथ ही उसने हादी की हत्या में किसी भी भूमिका से इन्कार किया है। अज्ञात हमलावरों ने 12 दिसंबर को हादी को गोली मार दी थी, जिसके छह दिन बाद उसकी इलाज के दौरान सिंगापुर में मौत हो गई थी। बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया कि था हादी की हत्या के बाद आरोपी भारत फरार हो गए और वे मेघालय में छिपे हुए हैं। हालांकि, भारत सरकार और मेघालय पुलिस बांग्लादेश के दावों को पहले ही खारिज कर चुके हैं। अब हादी की हत्या के मुख्य आरोपी फैसल ने वीडियो संदेश में खुद के दुबई में होने का दावा किया है। हालांकि, अब तक इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है।

नए साल पर जेलेंस्की का बड़ा संदेश- शांति बहाली को तैयार, संप्रभुता से समझौता नामंजूर

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नववर्ष पर कहा कि वे युद्ध खत्म करना चाहते हैं, लेकिन संप्रभुता की कीमत पर नहीं। उन्होंने कमजोर समझौते और आत्मसमर्पण को खारिज करते हुए बताया कि शांति समझौता 90 प्रतिशत तैयार है, लेकिन शेष 10 प्रतिशत सबसे महत्वपूर्ण है। वहीं दुसरी ओर पुतिन ने भी अपनी सेना की जीत पर भरोसा जताया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अपने नए साल के संबोधन में कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहता है, लेकिन वे ऐसा कोई भी शांति समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे जो उसकी संप्रभुता को कमजोर करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी भी ऐसे समझौते को अस्वीकार कर देंगे जिसे वे कमजोर या कम समय तक चलने वाला मानते हैं। जेलेंस्की ने क्या कहा? बुधवार देर रात अपने कार्यालय से दिए गए 21 मिनट के संबोधन में जेलेंस्की ने लगभग चार वर्षों के संघर्ष के बाद यूक्रेनी जनता में बढ़ती थकान को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस थकान को पराजय नहीं समझा

जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा, ₹यूक्रेन शांति चाहता लेकिन किसी भी कीमत पर नहीं। हम युद्ध का अंत चाहते हैं यूक्रेन का नहीं। उन्होंने आगे कहा, ₹हम बहुत थक गए हैं क्या इसका मतलब यह है कि हम आत्मसमर्पण के लिए तैयार हैं? जो कोई भी ऐसा सोचता है, वह बहुत बड़ी भूल कर रहा है।₹ समझौता अंतिम चरण में राष्ट्रपति ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में हाल के राजनयिक प्रयासों से बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है। इसमें पिछले सप्ताह फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई बातचीत भी शामिल है। उन्होंने कहा, ₹शांति समझौता 90 प्रतिशत तैयार है केवल 10 प्रतिशत बाकी है। उस 10 प्रतिशत में सब कुछ शामिल है। यही वह हिस्सा है जो शांति, यूक्रेन और यूरोप का भविष्य तय करेगा।₹ यह संबोधन ऐसे समय आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों ने एक समझौते की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। रूस अभी भी यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत भूभाग पर नियंत्रण बनाए हुए है और किसी भी समझौते के हिस्से के तौर पर पूर्वी डोनबास क्षेत्र पर पूरा कंट्रोल चाहता है। रूस का रुख वहीं दूसरी ओर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल की पूर्व संध्या के संबोधन में सैनिकों को 'नायक' बताते हुए रूसियों से विजय पर विश्वास रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा ₹हमें आप पर और हमारी जीत पर विश्वास है।₹ इस बीच, क्रेमलिन ने नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के आवास के निकट मानवरहित विमान (ड्रोन) हमलों का आरोप लगाते हुए अपनी बातचीत की शर्तों को कठोर करने की बात कही है। मास्को ने इसे आतंकवादी हमला बताया है, हालांकि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध प्रमाणों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

नए साल पर शेख हसीना की मोहम्मद यूनुस को दो टूक- साजिश करने वालों के घिनौने चेहरे उजागर हो चुके

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के लोगों से शेख हसीना ने कहा, 'अतीत में जब भी ऐसे नाजुक पल आए हैं, बांग्लादेश ने वर्ग, धर्म, रंग, भाषा और जातीयता के मतभेदों

को भुलाकर एकजुट होकर एक सामूहिक सपने को साकार करने के लिए छलांग लगाई है।' बांग्लादेश में आम चुनावों से पहले बने अस्थिरता के माहौल से उपजी हिंसा फिलहाल थमती नजर आ रही है। इस बीच बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने नए साल पर एक संदेश जारी किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी की ओर से साझा किए गए नव वर्ष संदेश में लोगों से 'देश को अंधकार के इस सफर से बचाने' के लिए एकजुट होने का आह्वान किया और 2026 के लिए शुभकामनाएं दीं। बांग्लादेश अवामी लीग के आधिकारिक एक्स हैंडल पर किए गए पोस्ट में शेख हसीना ने कहा, 'मेरे प्यारे बांग्लादेश को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। यह नव वर्ष बांग्लादेश के सभी लोगों के लिए असीम सद्भाव, खुशी और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने कहा, 'यह अतीत के दुखों और कष्टों को मिटा दे। गलतियों और कमियों को सुधारे और सभी के लिए एक यादगार वर्ष बन जाए।' 'साजिश रचने वालों के घिनौने चेहरे उजागर' -शेख हसीना शेख हसीना ने कहा, 'यह मेरा सबसे बड़ा सपना और जीवन भर का संघर्ष रहा है कि यह देश वास्तव में अपने सभी लोगों का हो- चाहे उनका धर्म, रंग, वर्ग, पेशा या जातीय पहचान कुछ भी हो।' अपने संदेश में अवामी लीग की अध्यक्ष ने देश के खिलाफ साजिशों का जिक्र करते हुए कहा, 'देश को नष्ट करने की साजिश रचने वाले षड्यंत्रकारियों के नकाब और घिनौने चेहरे आपके सामने उजागर हो चुके हैं। उन्होंने अज्ञात ताकतों पर बांग्लादेश को संकट में धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा, 'आपने देखा है कि कैसे अवैध तरीके से हड़पने वालों ने, आपको बंधक बनाकर, असीमित भ्रष्टाचार, झूठ और व्यक्तिगत हितों की पूर्ति के नशे के जरिये से देश को अंधकार की ओर धकेल दिया है।'

भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु ठिकानों की सूची का आदान-प्रदान

नागरिक कैदियों की लिस्ट भी साझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय समझौते के तहत एक दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधा केंद्रों की जानकारी साझा की। साल 1988 में हुए एक समझौते के तहत यह जानकारी साझा की गई। हर साल दोनों देश लगातार इस जानकारी का आदान प्रदान करते आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने गुरुवार को राजनयिक चैनलों के माध्यम से परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान कियायह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच हुए

एक समझौते के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य एक दूसरे देशों के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों को रोकना है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत साझा की जानकारी भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और परमाणु फैसिलिटीज के आदान-प्रदान को लेकर 31 दिसंबर 1988 को समझौता हुआ था, जिसे 27 जनवरी 1991 को लागू किया गया था। इस समझौते के तहत दोनों देश हर साल 1 जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की जानकारी एक दूसरे से साझा करते हैं। दोनों देशों के बीच यह सूचियों का लगातार 34वां आदान प्रदान है। पहली बार दोनों देशों ने 1 जनवरी 1992 को सूचियों का आदान प्रदान किया था। कैदियों की जानकारी का भी किया गया आदान-प्रदान विदेश मंत्रालय ने बताया कि कॉन्सुलर एक्सेस 2008 पर द्विपक्षीय समझौते के तहत, भारत और पाकिस्तान ने आज राजनयिक चैनलों के जरिए, एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की लिस्ट का भी आदान-प्रदान किया। भारत ने अपनी हिरासत में मौजूद पाकिस्तानी या जिनके पाकिस्तानी होने का शक है, उन 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की लिस्ट साझा की है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।